twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

DD
दिव्य दिल्ली
RNI No. DELHI/2013/54397

divyadelhi.com | रविवार, 13 अप्रैल, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 157, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

वक्फ कानून का विरोध, मुर्शिदाबाद में 3 की मौत

भीड़ ने पिता-बेटे को पीट-पीटकर मारा; कलकत्ता हाईकोर्ट का आदेश- सेंट्रल फोर्स तैनात करें

कोलकाता
पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) कानून के खिलाफ चल रहा विरोध प्रदर्शन में दो लोगों की मौत हो गई है। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक पिता और पुत्र हिंसा प्रभावित समसेरगंज इलाके के जाफराबाद में अपने घर में घायल पाए गए थे। जिसके बाद दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

परिजनों का आरोप- बदमाशों ने लूट के बाद मारी चाकू
मृतकों के परिजनों ने आरोप लगाया कि बदमाशों ने उनके घर में लूटपाट के दौरान दोनों पर चाकू से कई हमले किए थे। वहीं अधिकारी ने कहा कि एक अलग घटना में, समसेरगंज ब्लॉक के धुलियान में एक अन्य व्यक्ति को गोली लगने की खबर सामने आई है। वक्फ कानून के विरोध के दौरान शुक्रवार को मुर्शिदाबाद जिले के सूती और समसेरगंज इलाकों से बड़े पैमाने पर हिंसा की सूचना मिली थी।

पुलिस ने अभी तक 100 से ज्यादा लोगों को किया गिरफ्तार
पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ कानून के विरोध-प्रदर्शन को लेकर दो दिन हिंसा भड़की। सबसे पहले 8 अप्रैल को फिर 11 अप्रैल को, जिसमें अभी तक पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 100 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं इस मामले में राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सभी धर्मों के लोगों से हिंसा नहीं करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर हिंसा या दंगा न करें। हर इंसान की जान कीमती होती है। जबकि हिंसा के मामले में भाजपा नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने रेलवे की संपत्तियों में तोड़फोड़ की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से कराने की मांग की है। शुभेंदु अधिकारी ने इस संबंध में रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा है।

जीआई टैग से मिलेगी काशी की कला को वैश्विक पहचान

प्रधानमंत्री ने रमेश कुमार, अनिल कुमार और छिद्दु को जीआई पंजीकृत प्रमाणपत्र सौंपे। उन्होंने बताया कि वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों के 30 से अधिक उत्पादों को जीआई टैग प्रदान किया गया है, जिनमें तबला, शहनाई, ठंडई, लाल भरुआ मिर्च, लाल पेड़ा और तिरंगा बर्फी शामिल हैं। पीएम ने कहा कि जीआई टैग केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि हमारी मिट्टी की पहचान का पासपोर्ट है। ये काशी के हुनर को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाएगा। उन्होंने यूपी को जीआई टैगिंग में देश में नंबर वन बताया और कहा कि यह स्थानीय कारीगरों और उत्पादकों के लिए गर्व का क्षण है।

'रेलवे संपत्तियों में तोड़फोड़ का मामला संवेदनशील'

कोलकाता
पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून के विरोध में जारी विरोध प्रदर्शन जारी हैं। खासकर मुर्शिदाबाद में बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ और हिंसा हुई। हंगामे के दौरान रेलवे की संपत्तियों में तोड़फोड़ की गई। अब पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने रेलवे की संपत्तियों में तोड़फोड़ की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से कराने की मांग की है। शुभेंदु अधिकारी ने इस संबंध में रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा है।

'रेलवे संपत्तियों में तोड़फोड़ का मामला संवेदनशील'

पत्र में शुभेंदु अधिकारी ने वक्फ कानून के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान मुर्शिदाबाद जिले में रेलवे संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं पर रेलवे मंत्री से ध्यान देने की अपील की। भाजपा नेता ने लिखा कि मेरी विनम्र अपील है कि रेलवे संपत्तियों में तोड़फोड़ की जांच एनआईए द्वारा की जाए। उन्होंने लिखा कि 'ये संवेदनशील मामला है क्योंकि मुर्शिदाबाद जिले की सीमा बांग्लादेश से लगती है। एनआईए जांच से इसके पीछे की साजिश का पर्दाफाश होगा और साजिशकर्ताओं की पहचान की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हो सकें।

हमें राज्य में शांति बनाए रखनी चाहिए: अभिषेक बनर्जी

कोलकाता
तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने लोगों से बंगाल में शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बंगाल को आग में झोंकना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि राज्य में हिंसा और दंगे हों, लेकिन हमें अफवाहों का शिकार नहीं होना है। हमें राज्य में शांति बनाए रखनी चाहिए। अभिषेक बनर्जी ने आगे कहा कि कुछ लोग धर्म के नाम पर विभाजन के बीज बोकर बंगाल में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं सभी से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वह बंगाल के आपसी भाईचारे की परंपरा को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि हम सभी को सतर्क और जागरूक रहने की जरूरत है। कुछ लोग चाहते हैं कि बंगाल जल जाए, लेकिन हमें ऐसा नहीं होने देना है। टीएमसी सांसद बनर्जी ने पश्चिम बंगाल एसएससी भर्ती मामले पर भी बात की। उन्होंने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट का सम्मान करते हैं और उस पर भरोसा करते हैं, लेकिन हमें फैसले की आलोचना करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि यह फैसला बंगाल के प्रति भाजपा के लगातार सौतेले रवैये को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ऐसा कहने के पीछे एक वजह है, क्योंकि उन्होंने (केंद्र सरकार) ने 59 लाख जॉब कार्डधारकों के मनरेगा फंड को रोक दिया है। उन्होंने कुछ विसंगतियों के कारण आवास फंड को रोक दिया।

संघ संस्थापक के नाम पर केरल में 'बवाल'

पलक्कड़ (केरल)
केरल में विकलांगों के लिए बने कैशल विकास केंद्र ने सत्ता के गलियारों में भूचाल खड़ा कर दिया है। इसे लेकर बीजेपी और कांग्रेस नेता आमने-सामने हैं। इसके नाम को लेकर सियासत इतनी बढ़ी कि बात पुलिस स्टेशन तक जा पहुंची। कांग्रेस विधायक ने बीजेपी नेता के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी है। दरअसल केरल के पलक्कड़ में बीजेपी नेता ने विकलांगों के लिए एक कौशल विकास केंद्र की नींव रखी। इस केंद्र का नाम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (फर) के संस्थापक केबी हेडगेवार के नाम पर रखा गया है। इसी नाम को लेकर कांग्रेस में घमासान छिड़ गया। कांग्रेस विधायक समेत कई कार्यकर्ताओं ने इसके नाम पर आपत्ति दर्ज कराते हुए कार्यक्रम में बाधा डालने की कोशिश की, जिसे लेकर बीजेपी नेता भी मुखर हो गए। पलक्कड़ से बीजेपी के जिलाध्यक्ष प्रशांत सिवन ने पलक्कड़ के कांग्रेस विधायक ममकूटाथिल को सरेआम धमकी दे डाली। प्रशांत ने कहा कि अगर वो चाह लें तो ममकूटाथिल का पलक्कड़ में पैर रखना भी मुश्किल हो जाएगा। वहीं, प्रशांत पर पलटवार करते हुए ममकूटाथिल ने कहा कि जब तक उनके पैर सलामत हैं, वो संघ के खिलाफ डटकर खड़े रहेंगे।

नयनार को भाजपा की तमिलनाडु इकाई का अध्यक्ष चुना गया

नई दिल्ली
तमिलनाडु में शनिवार को भाजपा विधायक नयनार नागेंद्रन को नया भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। उसके बाद नयनार नागेंद्रन चेन्नई स्थित पार्टी कार्यालय पहुंचे और पदभार संभाल लिया। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष चुनाव के लिए उनके नामांकन का प्रस्ताव निवर्तमान अध्यक्ष के अन्नामलाई सहित दस वरिष्ठ पदाधिकारियों ने रखा था। मौजूदा विधानसभा में नागेंद्रन तिरुनेलवेली क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि हमें अपना लक्ष्य और रास्ता पता है, हम आगामी चुनाव 2026 में सबसे मजबूत एनडीए गठबंधन के साथ लड़ेंगे और तमिलनाडु से द्रमुक सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। उल्लेखनीय है कि नागेंद्रन ने 2001, 2011 और 2021 के विधानसभा चुनावों में तीन बार तिरुनेलवेली से जीत हासिल की।

शिवाजी महाराज की विरासत देश के लिए प्रेरणा: गृह मंत्री अमित शाह

रायगढ़
छत्रपति शिवाजी महाराज की 345वीं पुण्यतिथि पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह महाराष्ट्र के रायगढ़ किले में पहुंचे। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय गृह मंत्री ने शिवाजी महाराज की वीरता को नमन किया। उन्होंने कहा कि खुद को आलमगीर कहने वाला औरंगजेब जीवन भर महाराष्ट्र में मराठों के खिलाफ लड़ाई लड़ता रहा। वह मराठों से हारा और इसी धरती में दफन किया गया। औरंगजेब की समाधि इसी धरती पर है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि शिवाजी महाराज महाराष्ट्र तक सीमित नहीं हैं। उनकी एकता की विरासत देश के लिए प्रेरणा है। शिवाजी महाराज के स्वधर्म और स्वराज्य के आदर्श स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक महाशक्ति बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को प्रेरित करते रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मैं महाराष्ट्र के लोगों से अपील करता हूं कि वे छत्रपति शिवाजी महाराज को राज्य तक सीमित न रखें। उनकी जबरदस्त इच्छाशक्ति, दृढ़ संकल्प और साहस देश को प्रेरित करते हैं क्योंकि उन्होंने रणनीतिक रूप से समाज के सभी वर्गों को एकजुट किया।

राज्यपाल की तरफ से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली
अपनी तरह के पहले फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने देश के राष्ट्रपति के लिए भी समय सीमा तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की तरफ से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। दरअसल, 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के मामले में ऐतिहासिक फैसला लिया था। अदालत ने कहा था कि राज्यपाल को विधानसभा की ओर से भेजे गए बिल पर एक महीने के भीतर फैसला लेना होगा। इसी फैसले के दौरान अदालत ने राज्यपालों की ओर से राष्ट्रपति को भेजे गए बिल पर भी स्थिति स्पष्ट की। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सार्वजनिक किया गया। शुक्रवार रात वेबसाइट पर अपलोड किए गए ऑर्डर में सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 201 का हवाला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- राज्यपालों की ओर से भेजे गए बिल के मामले में राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटो या पॉकेट वीटो का अधिकार नहीं है। उनके फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है और न्यायपालिका बिल की संवैधानिकता का फैसला न्यायपालिका करेगी।

फैसला लेना होगा: सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 201 कहता है कि जब विधानसभा किसी बिल को पास कर दे।

उसे राज्यपाल के पास भेजा जाए और राज्यपाल उसे राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दे। इस स्थिति में राष्ट्रपति को बिल पर मंजूरी देनी होगी या फिर बताना होगा कि मंजूरी नहीं दे रहे हैं।

सनातन धर्म किसी के प्रति दुर्भावना नहीं रखता: भागवत

वलसाड
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि धर्म ही ऐसा रास्ता है जो सबको सुख की ओर ले जा सकता है। उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन में लालच, डर या प्रलोभन का सामना करना पड़ सकता है, और वे लोगों को उनके धर्म से भटका सकते हैं, लेकिन हमें लालच या भय के कारण अपने धर्म को नहीं बदलना चाहिए। आरएसएस प्रमुख गुजरात के वलसाड जिले के बारुमल में सद्गुरुधाम में श्री भाव भावेश्वर महादेव मंदिर के रजत जयंती समारोह में बोल रहे थे। आरएसएस प्रमुख भागवत ने समारोह में बोलते हुए कहा कि कुछ ताकतें हैं जो हमें धर्म बदलने के लिए मजबूर करना चाहती हैं, लेकिन हमें ऐसे किसी लालच या डर में नहीं आना चाहिए। धर्म हमें जोड़ता है और सही रास्ते पर ले जाता है। उन्होंने कहा, 'हम एकजुट होना जानते हैं और एकजुट होना चाहते हैं। हम लड़ना नहीं चाहते। लेकिन हमें खुद को बचाना होगा। इसके लिए प्राचीन काल से ही व्यवस्थाएं हैं, क्योंकि आज ऐसी ताकतें हैं जो हमें बदलना (धर्मांतरित करना) चाहती हैं।' आरएसएस प्रमुख ने महाभारत का उदाहरण दिया और कहा कि महाभारत के समय धर्म परिवर्तन करने वाला कोई नहीं था, लेकिन दुर्योधन ने पांडवों का राज्य हड़पने के लालच में जो किया, वह अधर्म था। उन्होंने कहा, 'धार्मिक आचरण दैनिक जीवन में जरूरी है।

हमें आसक्ति और प्रलोभन के प्रभाव में आकर कार्य नहीं करना चाहिए, हमें इनसे दूर रहकर धर्म के रास्ते पर चलना चाहिए। आरएसएस प्रमुख भागवत ने ऐसे केंद्रों को बहुत जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों के लोग ऐसे केंद्रों में अपना योगदान दे रहे हैं। भागवत ने कहा, 'वे लोगों का धर्म परिवर्तन नहीं करते। वे सभी को अपने धर्म में दृढ़ रहने के लिए प्रेरित करते हैं।

पीएम कल हिसार से अयोध्या के लिए पहली विमान सेवा को दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आम्बेडकर जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल को हरियाणा में हिसार से अयोध्या के लिए वाणिज्यिक उड़ान को हरी झंडी दिखाएंगे और हिसार हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन की आधारशिला रखेंगे। इसके अलावा वह राज्य को थर्मल पावर इकाई, बायोगैस संयंत्र और रेवाड़ी बाइपास सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शनिवार को एक बयान में बताया कि आम्बेडकर जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 अप्रैल को हरियाणा जाएंगे। वे सुबह करीब 10:15 बजे हिसार से अयोध्या के लिए वाणिज्यिक उड़ान को हरी झंडी दिखाएंगे और हिसार हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का शिलान्यास करेंगे। वे एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद, लगभग 12:30 बजे प्रधानमंत्री मोदी यमुनानगर में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे और इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन की आधारशिला रखेंगे, जिसकी लागत 410 करोड़ रुपये से अधिक होगी। इसमें एक अत्यधुनिक यात्री टर्मिनल, एक कार्गो टर्मिनल और एक एटीसी भवन शामिल होगा। वह हिसार से अयोध्या के लिए पहली उड़ान को भी हरी झंडी दिखाएंगे। हिसार से अयोध्या (सप्ताह में दो बार) के लिए निर्धारित उड़ानों के साथ-साथ जम्मू, अहमदाबाद, जयपुर और चंडीगढ़ के लिए सप्ताह में तीन उड़ानें होंगी।

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में सेना का जवान शहीद

श्रीनगर/जम्मू
जम्मू-जिले के अखनूर में शनिवार को आतंकवादियों से मुठभेड़ में 9 पंजाब रेजिमेंट के जेसीओ कुलदीप चंद शहीद हो गए। अखनूर के केरी बट्टल इलाके में शुक्रवार देर रात एनकाउंटर शुरू हुआ था। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेरा हुआ है। सेना ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। वहीं, किश्तवाड़ जिले के घने जंगलों में एनकाउंटर के दौरान सुरक्षाबलों ने शुक्रवार देर रात तक 3 आतंकियों को मार गिराया। ऑपरेशन रात से चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए तीनों आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के हैं। इनमें टॉप कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल है। इससे पहले 4 और 5 अप्रैल की दरमियानी रात जम्मू मेंआरएस पुरा सेक्टर पर बीएसएफ के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया था।

यूपी: एक्सपर्ट्स और संस्थाएं भी अर्थव्यवस्था की तेजी की मुरीद

लखनऊ
उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति देश भर में चर्चा का विषय है। प्रकृति एवं परमात्मा की असीम अनुकंपा के बावजूद उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था सातवें या आठवें स्थान पर झूलती रही। इस दौरान इसका कुल आकार भी 12 हजार करोड़ रुपये से लेकर 12.5 हजार करोड़ रुपये के बीच ही रहा। पर, मार्च 2017 में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद इसमें अभूतपूर्व बदलाव आया। आज 27.5 हजार करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था के साथ यूपी देश की देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य है। देश की जीडीपी में उत्तर प्रदेश का योगदान 9.2 फीसद है। जीडीपी की ग्रोथ राष्ट्रीय औसत 9.6 फीसद की तुलना में 11.6 फीसद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसे 2030 तक देश की नंबर वन अर्थव्यस्था वाला राज्य बनाने को कृत संकल्पित हैं। अभी एक अप्रैल को भी बरेली में एक कार्यक्रम के दौरान इस बात को दोहराया था।

एक्सपर्ट्स और संस्थाएं भी अर्थव्यवस्था की तेजी की मुरीद
अब तो निजी तौर पर आर्थिक विशेषज्ञ और संस्थाएं भी यह मानने लगी हैं कि उत्तर प्रदेश में विकसित भारत का ग्रोथ इंजन बन सकता है। हाल ही में लखनऊ में योजना विभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला में नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने भी यह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि करीब 56 फीसद युवा आबादी, नौ तरह के अलग कृषि जलवायु क्षेत्र, पानी की भरपूर उपलब्धता आदि के जरिये यह संभव है। उन्होंने अलग-अलग जिलों को आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनाने के लिए जिस एक्शन प्लान का जिक्र किया था, उस पर योगी सरकार पहले से काम कर रही है।

एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना और एक जिला-एक जीआई (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) इसकी कड़ी है। अब तो सरकार इससे भी आगे एक जिला एक पकवान के बाबत सोच रही है। ओडीओपी योजना प्रदेश की सफलतम योजना है। इसकी तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भर कर चुके हैं। जैसे देश भी इसकी इसके मुरीद हैं। **नीति** आयोग ने राजकोषीय स्थित के संबंध में जारी रिपोर्ट में यूपी को फ्रंट रनर राज्य की श्रेणी में रखा है। भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ ने भी कर की प्राप्तियों में उत्तर प्रदेश को देश में दूसरे स्थान पर रखा है।

पिछले पांच वर्षों से रेवेन्यू सरप्लस स्टेट की स्थित इस बात का प्रमाण है कि सरकार ने प्रभावी तरीके से कर चोरी, इसके लीकेज को खत्म किया है।

हरियाणा के विकास में मील का पत्थर साबित होगी ग्लोबल सिटी : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सभी मानकों को ध्यान में रखते हुए गुरुग्राम में ग्लोबल सिटी विकसित की जाएगी। यह परियोजना हरियाणा के विकास में एक और मील का पत्थर साबित होगी। मुख्यमंत्री गुरुग्राम में ग्लोबल सिटी की साइट पर निवेशकों के साथ बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, विधायक बिमला चौधरी, तेजपाल तंवर व मुकेश शर्मा भी मौजूद रहे।

रोजगार के पांच लाख से अधिक अवसर होंगे सृजित

नायब सिंह सैनी ने कहा कि एक लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश के साथ यह परियोजना लगभग 16 लाख लोगों के जीवन को प्रभावित करेगी। परियोजना के विकसित होने पर करीब पांच लाख रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा। एक हजार एकड़ पर विकसित की जा रही इस परियोजना में मिक्स यूज लैंड का प्रावधान किया गया है, जिसमें रिहायशी, व्यावसायिक, हॉस्पिटेलिटी व शैक्षणिक संस्थानों आदि के लिए भी विशेष स्थान रहेगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के हिसाब से विकसित की जा रही इस परियोजना का पहला चरण अगले साल के अंत तक निर्धारित टाइम लाइन अनुसार पूरा कर लिया जाएगा। परियोजना के पहले चरण में 587 एकड़ के क्षेत्रफल पर 940 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

आधुनिक शहरों की तर्ज पर मिलेंगी सुविधाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सिटी में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 18 एकड़ में 350 मिलियन लीटर क्षमता का मास बैलेसिंग रिजर्वायर बनाया जाएगा, जोकि जल भंडारण के रूप में कार्य करेगा और इस सिटी की सुंदरता बढ़ाने के साथ साथ ग्लोबल सिटी के लिए सात दिनों का जल बैकअप भी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि ग्लोबल सिटी में 10.7 किमी यूटिलिटी टनल होगी, जिसमें वाटर पाइपलाइन, इलैक्ट्रिक केबल, अग्निशमन सेवाएँ, लाइटिंग सिस्टम, वेंटिलेशन सिस्टम, फायर डिटैक्शन, अर्थिंग सिस्टम आदि का प्रावधान होगा।

आधुनिकता के साथ हरियाली पर भी रहेगा विशेष फोकस

नायब सिंह सैनी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत पूरी परियोजना में ग्रीन एरिया का भी विशेष ध्यान रखा गया है। ग्लोबल सिटी का तापमान गुरुग्राम शहर से कम रहे, इसके लिए ग्लोबल सिटी में लगभग 125 एकड़ पर ग्रीन जोन प्रस्तावित है। उन्होंने ग्लोबल सिटी की कनेक्टिविटी की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्लोबल सिटी की दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 30 मिनट, रेलवे स्टेशन/आई.सी.डी. से 20 मिनट, हेलीपोर्ट और मल्टीमॉडल ट्रांजिट हब से मात्र 10 मिनट की दूरी रहगी। वहीं एनपीआर, एसपीआर, सीपीआर सहित राष्ट्रीय राजमार्ग 48 सड़क से इसकी कनेक्टिविटी रहेगी।

मुख्यमंत्री ने प्रोजेक्ट को लेकर 14 बड़े निजी समूहों नामत: मैक्रोटेक (लोढ़ा), डीएलएफ, अडानी, आरएमजेड, एलएंडटी रियल्टी, सिग्नेचर, एल्डेको, हीरो रियल्टी, यूनिटी, बेस्टेक, प्रेस्टिज कंस्ट्रक्शन, जेएलएल, सीबीआरई तथा एएसएफ से सुझाव भी लिए। मुख्यमंत्री के समक्ष ग्रुप्स के प्रतिनिधियों ने ग्लोबल सिटी को लेकर अपनी रूचि जाहिर की। मुख्यमंत्री ने बैठक में मिले सुझावों को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी जारी किए।

बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रधान सचिव डी. सुरेश तथा चीफ कोऑर्डिनेटर सुनील शर्मा ने पीपीटी के माध्यम से ग्लोबल सिटी के विभिन्न पहलुओं के बारे में अवगत कराया।

पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित पर्यावरणविद् रामैया का निधन

एजेंसी

खम्मम (तेलंगाना)। पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित और प्रसिद्ध पर्यावरणविद् 'वनजीवी' रामैया का शनिवार की सुबह दिल का दौरा पड़ने से इस जिले के अपने पैतृक गांव रेड्डीपल्ली में निधन हो गया। वे 85 वर्ष के थे और उनके परिवार में पत्नी जनम्मा और चार बच्चे हैं। प्रकृति के प्रति अपने गहरे प्रेम के लिए जाने जाने वाले रामैया ने अपना उपनाम बदलकर 'वनजीवी' रख लिया था, जिसका अर्थ है 'वनवासी', जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी आजीवन प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अपने जीवनकाल में, उन्हें एक करोड़ (10 मिलियन) से अधिक पौधे लगाने और उनका पालन-पोषण करने का श्रेय दिया जाता है, जो पुनर्वनीकरण और हरित जीवन के प्रति व्यक्तिगत समर्पण का एक प्रेरक उदाहरण है। प्रकृति और समाज के प्रति उनकी असाधारण सेवा के सम्मान में, भारत सरकार ने उन्हें 2017 में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया।तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित 'वनजीवी' रामैया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'पद्म श्री वनजीवी रामैया का निधन एक बड़ा सदमा है। रामैया एक प्रतिष्ठित पर्यावरणविद् थे, जिन्होंने एक करोड़ पौधे लगाए और गर्व से 'वनजीवी' को अपना उपनाम बना लिया। प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति मिले। मैं उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।'

सेना ने आतंकवादियों के घुसपैठ की कोशिश नाकाम की, सुंदरबनी सेक्टर में जेसीओ शहीद

श्रीनगर। जम्मू के सुंदरबनी सेक्टर के केरी बट्टल इलाके में सेना ने आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया। मुठभेड़ में एक जूनियर कमीशन अधिकारी (जेसीओ) शहीद हो गया। सेना ने शनिवार को 'एक्स' पर लिखा, 'जीओसी व्हाइट नाइट कोर और सभी रैंक 9 पंजाब के बहादुर उप निरीक्षक कुलदीप चंद के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं। उन्होंने 11 अप्रैल की रात को सुंदरबनी के केरी बट्टल क्षेत्र में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ विरोधी अभियान का बहादुरी से नेतृत्व करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी।'सेना ने कहा, 'उनकी टीम की वीरता और उप निरीक्षक कुलदीप के बलिदान ने आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। हम इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ खड़े हैं।'

हज 2025 की तैयारियों की समीक्षा के लिए अल्पसंख्यक मंत्रालय के सचिव सऊदी अरब के दौरे पर

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के सचिव डॉ. चंद्रशेखर कुमार हज 2025 के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा करने के लिए वर्तमान में सऊदी अरब की यात्रा पर हैं। डॉ. कुमार ने वहां पर भारतीय जायरीन की सुगम तीर्थयात्रा अनुभव के लिए सुनिश्चित की जा रही स्वच्छ, तनाव मुक्त ठहरने की सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया।केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर यह जानकारी साझा की। मंत्रालय ने लिखा, 2025 के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के सचिव डॉ. चंद्रशेखर कुमार भारतीय हज जायरीन के लिए व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के लिए सऊदी अरब की यात्रा पर हैं। उन्होंने सुगम तीर्थयात्रा अनुभव के लिए सुनिश्चित की जा रही स्वच्छ, तनाव मुक्त ठहरने की सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया।

जम्मू-कश्मीरः किश्तवाड़ मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में भीषण मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए हैं। सेना की उत्तरी कमान ने सुबह कहा, खराब मौसम के बावजूद किश्तवाड़ के चटरू में चल रहे अभियान में दो और पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया गया है। सेना ने कहा कि एक एके और एक एम4 राइफल समेत बड़ी मात्रा में युद्ध जैसा सामान बरामद किया गया है। सेना ने पहले कहा था कि एक आतंकवादी मारा गया, जिसके बाद गोलीबारी बंद हो गई। उन्होंने कहा, अभियान जारी था और फिर से हुई गोलीबारी में दो और आतंकवादी मारे गए। उन्होंने कहा कि अभियान जारी है।

छत्रपति शिवाजी महाराज अखंड भारत के लिए भी हैं प्रेरणा : शाह

केन्द्रीय गृह मंत्री ने रायगढ़ में शिवाजी महाराज की 354वीं पुण्यतिथि स्मरणोत्सव समारोह लिया भाग

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को रायगढ़ में कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज सिर्फ महाराष्ट्र तक ही सीमित नहीं, बल्कि पूरे भारत के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। खुद को 'आलमगीर' कहने वाले औरंगजेब की हार महाराष्ट्र में हुई थी और उसकी कब्र भी यहीं है। वह शनिवार को रायगढ़ जिले में शिवाजी महाराज की 354वीं पुण्यतिथि स्मरणोत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्हें शिंदेशाही पगड़ी और कावड़ी की माला से सम्मानित किया गया। अमित शाह ने कहा कि जीजाबाई ने न केवल शिवाजी को जन्म दिया, बल्कि बालक शिवाजी को स्वराज्य का विचार भी दिया। उन्होंने हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक को बनाने का महान कार्य किया। रायगढ़ में स्वर्ण सिंहासन पर शिवाजी को श्रद्धांजलि देते हुए अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। शाह ने कहा कि शिवराज ने अपना पूरा जीवन स्वराज्य और स्वधर्म के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने आदिलशाही और निजामशाही से घिरे महाराष्ट्र को हिंदू स्वराज्य में बदलने का ऐतिहासिक काम किया। केन्द्रीय गृहमंत्री ने शिवाजी के साहस की महानता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके जन्म के समय महाराष्ट्र अंधकार में डूबा हुआ था और स्वधर्म व स्वराज्य की बात करना अपराध माना जाता था। शिवरात्रि पर भगवा ध्वज फहराने और स्वराज्य स्थापित करने का संकल्प लिया गया। मैंने कई नायकों की जीवनी पढ़ी है, लेकिन मुझे किसी भी नायक में शिवाजी जैसा साहस और पराक्रम नहीं दिखा। आज हम छत्रपति शिवाजी महाराज के रायगढ़ से संकल्प कर रहे हैं कि जब हमारी आजादी के 100 साल पूरे होंगे, तो भारत दुनिया में नंबर एक होगा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि शिवाजी की विरासत केवल महाराष्ट्र तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह देश और दुनिया के लिए प्रेरणा है। शिवाजी के बाद के युग में मराठों ने औरंगजेब के हमलों का कैसे सामना किया, इसका जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज, राजाराम महाराज, तारा रानी, संताजी और धनाजी ने औरंगजेब के खिलाफ अथक संघर्ष किया। इसीलिए उनकी समाधि इसी धरती पर बनाई गई है। मराठों के इस पराक्रम के कारण स्वराज्य की गरिमा बरकरार रही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, सांसद छत्रपति उदयनराजे भोसले, मंत्री आशीष शेलार और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सुखबीर सिंह बादल फिर बने शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष

एजेंसी

चंडीगढ़ । शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने एक बार फिर सुखबीर सिंह बादल को सर्वसम्मति से अपना अध्यक्ष चुना है। पार्टी की एक अहम बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष बलविंदर सिंह भूंदड़ ने किसी अन्य उम्मीदवार का परिचय नहीं कराया, जिसके बाद सभी नेताओं ने सुखबीर सिंह बादल के नाम पर सहमति जताई। शिरोमणि अकाली दल की इस बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता, विधायक और कार्यकर्ता शामिल हुए। सूत्रों के मुताबिक, सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व में पार्टी के पिछले कार्यकाल और उनकी रणनीतियों पर चर्चा हुई। नेताओं ने माना कि उनके अनुभव और नेतृत्व से पार्टी को पंजाब की सियासत में मजबूती मिलेगी। सुखबीर सिंह बादल ने अध्यक्ष चुने जाने के बाद सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा, हमारा लक्ष्य पंजाब के हितों की रक्षा करना तथा अकाली दल को और मजबूत करना है।सुखबीर सिंह बादल लंबे समय से शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख चेहरों में से एक रहे हैं। वह पहली बार 2008 में पार्टी अध्यक्ष बने थे और तब से कई बार इस पद पर चुने जा चुके हैं।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे छह बांग्लादेशी गिरफ्तार

इनमें दो बांग्लादेशी पुलिस से बचने के लिए ट्रांसजेंडर बनकर महिपालपुर में रह रहे थे।

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के दक्षिण पश्चिम व रोहिणी जिला पुलिस ने यहां अवैध रूप से रह रहे छह बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो बांग्लादेशी पुलिस से बचने के लिए ट्रांसजेंडर बनकर महिपालपुर में रह रहे थे। फिलहाल पुलिस ने सभी बांग्लादेशियों को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) में भेज दिया गया है। रोहिणी जिले के डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि रोहिणी जिला पुलिस अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की निगरानी कर रही थी। इस बीच जिले की स्पेशल स्टाफ को सूचना मिली कि एक महिला समेत तीन बांग्लादेशी अपनी पहचान छुपाकर रह रहे हैं। सूचना को पुख्ता कर पुलिस ने तीनों बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपितों की पहचान अकलीमा बीबी, मोहम्मद कमल और महबूब आलम के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि महबूब आलम मूल रूप से हिलालपुर, गोपालगंज, हेतिमगंज, सिलहट, बांग्लादेश का रहने वाला है। वह सिलहट बांग्लादेश में एक दवा की दुकान का मालिक है। वह शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। वह पहली बार इसी साल पांच अप्रैल को भारत आया था। मोहम्मद कमाल डिलाइट सिनेमा दरियागंज का रहने वाला है। वह गांव धुरैला खलासीकांडी थाना-मदारीपुर, जिला-मदारीपुर, बांग्लादेश का रहने वाला है। वह शादीशुदा है और उसकी पत्नी और बच्चे फिलहाल बांग्लादेश में रह रहे हैं। उसे पहले वर्ष 2012 में बांग्लादेश भेजा गया था। तीन साल बाद वह फिर से सीमा पार कर हावड़ा के रास्ते ट्रेन से दिल्ली आया। वह दिल्ली में कबाड़ी का काम करता था। इसी क्रम में पकड़ी गई अकलीमा बीबी बवाना इलाके में रह रही थी ।

उसे पहले वर्ष 2007 में बांग्लादेश भेजा गया था। इसी दौरान दक्षिण पश्चिम जिले की एंटी स्नैचिंग सेल ने महिपालपुर से अवैध रूप से रह रहे दो बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपित पुलिस से बचने केलिए ट्रांसजेंडर बने हुए थे। पुलिस ने इनके पास से प्रतिबंधित आईएमओ ऐप वाले दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

शांति सेवा न्याय
Delhi Police
SHANTI SEWA NYAYA

ट्रंप टैरिफ़ से विश्वव्यापी उथल पुथल में भी भारत मजबूती से खड़ा हैः जफर इस्लाम

खास बात ये है कि मुद्रा योजना में लगभग 70 प्रतिशत महिला उद्यमियों द्वारा लोन लिया गया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता जफर इस्लाम ने शनिवार को कहा कि ट्रंप टैरिफ़ से मची विश्वव्यापी उथल पुथल में भी भारत मज़बूती से खड़ा है और भारत पर इसका बहुत कम प्रभाव है। इससे साबित होता है कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियां बहुत सही और सटीक हैं। सबका साथ सबका विकास और दीन दयाल की दृष्टि - अंतिम व्यक्ति तक पहुंच का विचार ही इस मजबूती का आधार है। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में जफर इस्लाम ने कहा कि भारत आज दुनिया की नजर में अर्थव्यवस्था में सबसे मजबूत स्तर पर है। दुनिया में अर्थव्यवस्था को लेकर मची हलचल के बाद भी भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से वृद्धि कर रही है। ट्रंप के टैरिफ़ को लेकर वैश्विक स्तर पर घबराहट है। हालांकि, भारतीय अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर है, और इस पर इसका प्रभाव बेहद कम होगा। यदि आप उच्च आवृत्ति डेटा को देखें तो यह स्पष्ट रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत को दर्शाता है - चाहे वह मजबूत पूंजीगत व्यय हो या निरंतर विकास गति। उन्होंने कहा कि 2014 में जब हम सत्ता में आए तो प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक बदलाव पर काम करना शुरू कर दिया। उनके पहले कदमों में से एक था लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ने के लिए जन धन योजना शुरू करना। आज 53 करोड़ से ज़्यादा लोग इस योजना से जुड़े हुए हैं और उल्लेखनीय रूप से उनमें से 66 प्रतिशत महिलाएं हैं। उन्होंने मुद्रा योजना शुरू की, जो अब छोटे व्यवसायों और उद्यमिता को समर्थन देने के लिए एक वैश्विक मॉडल बन गई है। इसकी सफलता के पीछे मोदी सरकार की अच्छी सोच है, अच्छी नीति है। चाहे जनधन योजना हो, मुद्रा योजना हो... ये आज दुनिया के लिए टेम्पलेट बन चुका है। इसकी वजह से ग्रामीण क्षेत्रों को मजबूती मिली है।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने लिखा मुख्यमंत्री नीतीश को पत्र, किसानों की मदद करने की अपील

एजेंसी

पटना । केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर पिछले दिनों हुई बारिश और तेज हवा से खेत में खड़ी फसलों को हुए नुकसान पर चिंता प्रकट करते हुए उचित मुआवजा और मदद देने की अपील की है। लोजपा (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि हाल ही में बिहार के विभिन्न जिलों में हुई भीषण और असमय वर्षा ने किसानों पर अत्यंत दुखदायी प्रभाव डाला है। खेतों में पकने को तैयार गेहूं की फसलें भारी बारिश के चलते बर्बाद हो गई हैं। किसान अब हताशा और निराशा की स्थिति में पहुंच गए हैं। खेतों में लहलहाती फसलें अब सड़ने लगी हैं, जिससे किसानों की मेहनत, उम्मीदें और जीविका एक साथ डूब गई हैं। चिराग ने आगे लिखा, प्रदेश के लाखों किसानों के सामने इस भीषण प्राकृतिक आपदा ने जीविकोपार्जन का संकट खड़ा कर दिया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, किसानों के जीवन और भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए त्वरित और ठोस कदम उठाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पत्र में आगे लिखा है कि उनकी पार्टी की मांग है कि असमय वर्षा को राज्य आपदा घोषित किया जाए, ताकि आपदा राहत कोष से प्रभावित किसानों को तत्काल सहायता प्रदान की जा सके।

वक्फ संशोधन विधेयक पर विपक्ष की चुप्पी को लेकर भड़कीं मायावती

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने केंद्र सरकार के लाए गए वक्फ संशोधन विधेयक पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस विषय पर विपक्ष की चुप्पी को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर करारा प्रहार किया है। मायावती ने एक्स पर लिखा है कि वक्फ संशोधन बिल पर लोकसभा में लम्बी चर्चा हुई। इस पर नेता प्रतिपक्ष के कुछ नहीं बोलना अर्थात सीएए की तरह संविधान उल्लंघन का मामला होने के विपक्ष के आरोप के बावजूद इनका चुप्पी साधे रहना क्या उचित है। इसे लेकर मुस्लिम समाज में आक्रोश व इनके इण्डिया गठबंधन में भी बेचैनी होना स्वाभाविक है। वैसे भी देश में बहुजनों के हित, कल्याण एवं सरकारी नौकरी व शिक्षा आदि में इन वर्गों के आरक्षण के अधिकार को निष्प्रभावी करके इन्हें वंचित बनाए रखने के मामले में कांग्रेस, भाजपा आदि ये पार्टियां बराबर की दोषी हैं। धार्मिक अल्पसंख्यकों को भी इनके छलावा से बचना जरूरी है।

राहुल ने युवा कपड़ा डिजाइनरों से की मुलाकात, उद्योग से जुड़ी चुनौतियों की ली जानकारी

'क्या एक ओबीसी युवा इंडियन फैशन का टॉप डिज़ाइनर बन सकता है।'

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रतिभाशाली युवा कपड़ा डिजाइनरों से मिलकर इस उद्योग से जुड़ी चुनौतियों तथा इसमें निहित पूर्वाग्रहों को लेकर जानकारी हासिल की है। श्री गांधी ने शनिवार को कहा कि कुशल युवाओं को उपेक्षा और अन्याय का ही नहीं, बल्कि उन्हें अवसरों और प्रोत्साहन की कमी का सामना भी करना पड़ता है। उन्होंने सवाल किया कि क्या एक ओबीसी युवा इंडियन फैशन का टॉप डिज़ाइनर बन सकता है। उन्होंने कहा, 'मैं आज तक कपड़ा डिज़ाइन के उद्योग में शीर्ष पर किसी ओबीसी से नहीं मिला। ये बताया विक्की ने, एक युवा जिसने अपने हुनर के दम पर इस क्षेत्र में अपना व्यापार बनाया है। उनकी फैक्टरी के कारीगर 12-12 घंटे तपस्या करते हैं, सुई धागे से जादू बुनते हैं - मगर हाल वही, हुनर की कदर नहीं। बाकी उद्योगों की तरह ही कपड़ा और फैशन क्षेत्र में भी बहुजनों के पास न तो प्रतिनिधित्व है, न इसकी शिक्षा तक पहुंच, और न ही नेटवर्क में जगह। श्री गांधी ने कहा, विक्की जैसे होनहार लोगों से मिलकर मैं उनका काम सीखने की कोशिश करता हूं, ताकि दुनिया को भारतीय युवाओं का असली हुनर दिखे - ये पता चले कि काबिल और मेहनती होते हुए भी ये युवा उपेक्षा और अन्याय के चक्रव्यूह में फंसे अभिमन्यु हैं। मेरी लड़ाई इसी चक्रव्यूह को तोड़ने की है - ताकि हर हुनरमंद को सिस्टम में घुसने का रास्ता मिल सके।

बसवराज रायरेड्डी के बयान पर भाजपा का कटाक्ष, भ्रष्टाचार और लूट का एटीएम बना कर्नाटक

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी के बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि राज्य भ्रष्टाचार और लूट का एटीएम बन गया है। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रवक्ता प्रत्यूष कंठ ने कहा कि कर्नाटक में अब तक हम कहते थे कि राज्य भ्रष्टाचार का अड्डा है। अब सत्ता पक्ष के लोगों ने साबित कर दिया है कि कर्नाटक वाकई भारत का सबसे भ्रष्ट राज्य बन गया है। येलबुर्गा के विधायक और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी ने कहा कि कर्नाटक भ्रष्टाचार में नंबर वन है। यहां तक कि कर्नाटक के राजस्व मंत्री ने भी माना कि उनके विभाग में बहुत भ्रष्टाचार है। राज्य चलाने वाले लोग खुद राज्य में भ्रष्टाचार को स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो राज्य भ्रष्टाचार और लूट का एटीएम बन जाएगा। देखिए, उनके शब्द कितने भविष्यसूचक थे। कर्नाटक वाकई भ्रष्टाचार में नंबर वन बन गया है। चोरी को संस्थागत रूप दे दिया गया है। जबकि मोदी सरकार विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है, कर्नाटक में इसके विपरीत स्थिति देखिए, जहां भ्रष्टाचार केंद्र में है।

दिल्ली के मेयर ने निगमायुक्त को हटाने के लिए गृह मंत्री को लिखा पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर महेश कुमार खिची ने निगमायुक्त अश्विनी कुमार को हटाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। महापौर ने अश्विनी कुमार के स्थान पर एक उत्तरदायी निगमायुक्त की नियुक्ति की मांग की है। महापौर ने पत्र में लिखा है कि निगमायुक्त सदन को बिना विश्वास में लिये जनता की कमर तोड़ने वाले टैक्स लगा रहे हैं और विभिन्न मामलों में फीस बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि निगमायुक्त का रवैया पूरी तरह से उदासीन और जनविरोधी है। महापौर ने कहा कि नागरिक सुविधाएं देने के लिए निगम के कार्यपालक अधिकारियों एवं विधायी संस्थाओं के प्रमुखों के साथ समन्वय एवं सहयोग आवश्यक है। खिची ने कहा कि जनता टैक्स के बोझ से परेशान है और निगमायुक्त ने जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं किए। पत्र में उन्होंने यह भी लिखा है आयुक्त को तत्काल प्रभाव से पद से हटाया जाए और निगम में एक ऐसी सोच वाले व्यक्ति की नियुक्ति की जाए, जो दिल्ली की जनता और निगम के बीच तालमेल बना सके। उल्लेखनीय है कि इससे पहले यूजर चार्ज के खिलाफ एमसीडी मेयर ने गुरुवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखा था।

आईपीएल मैच के दौरान मेट्रो अपनी सभी लाइनों पर बढ़ायेगी अंतिम ट्रेन का समय

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के टी-20 क्रिकेट मैच देखने के लिए मेट्रो का उपयोग करने वाले दर्शकों की सुविधा के लिए सभी लाइनों पर अपनी अंतिम ट्रेन का समय बढ़ाया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के प्रवक्ता अनुज दयाल के अनुसार 13, 16, 27 और 29 अप्रैल और 11 मई को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के टी-20 मैचों के दौरान दर्शकों की सुविधा के लिए एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन सहित सभी लाइनों पर अपनी अंतिम ट्रेन के समय में परिवर्तन किया है। उन्होंने बताया कि अरुण जेटली स्टेडियम दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन के पास है, जो वॉयलेट लाइन पर है। यह लाइन कश्मीरी गेट से राजा नाहर सिंह मेट्रो स्टेशन के बीच है। हालांकि मैच वाले दिन सभी मेट्रो लाइनों पर आखिरी मेट्रो 30-45 मिनट की देरी से निकलेगी, जिससे मैच देखने वाले दर्शकों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में सहूलियत रहे।

राजधानी में डीटीसी बस, ट्रक एवं रेस्टोरेंट में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में तीन जगहों पर आग लगने का मामला सामने आया है। गनीमत यह रही कि तीनों ही जगहों पर कोई हताहत की सूचना नहीं मिली। रात आजादपुर में खड़े ट्रक में आग लग गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची दमकल विभाग की तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। फराश खाना इलाके में स्थित एक रेस्टोरेंट में आग लग गई। मौके पर पहुंची चार गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। वहीं, रोहिणी सेक्टर -37 स्थित एक बस डिपो के अंदर खड़ी डीटीसी बस में आग लग गई। मौके पर पहुंची तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। तीनों जगहों पर पुलिस मामला दर्ज आग लगने का कारण पता लगाने की कोशिश कर रही है। जानकारी के मुताबिक, फराश खाना इलाके में स्थित एक रेस्टोरेंट में आग लग गई।

घटना की सूचना पर दमकल की चार गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि आग की चपेट में आकर सिलेंडर भी फट सकते थे, लेकिन दमकल विभाग ने समय पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। इसके अलावा पहले ही लोगों ने अपने घरों से और टंकी के पानी से आग को बुझाने का काफी प्रयास किया। जब दमकल की गाड़ी पहुंची तो लोगों ने उसे वहां से जाने के लिए कहा। इसके बाद दमकल विभाग ने आग पर काबू पाया।

दिल्ली में नरेला के एजुकेशनल हब के लिए 500 करोड़ रुपये का बजट : उपराज्यपाल

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्च शिक्षा हमारी प्राथमिकता में है। इसके मद्देनजर नरेला में प्रस्तावित एजुकेशनल हब के लिए इस साल के बजट में 500 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। दिल्ली के उपराज्यपाल एवं गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी (आईपीयू) के कुलाधिपति विनय कुमार सक्सेना ने यह बातें आईपी यूनिवर्सिटी के द्वारका कैंपस में आयोजित 17वें दीक्षांत समारोह में अध्यक्षीय भाषण में कही। इस अवसर पर यूजी से पीएचडी तक के कुल 24,456 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। 110 छात्रों को पीएचडी, 12 को एमफ़िल, 2,624 को मास्टर्स, 20,739 को बैचलर्स, 483 को एमबीबीएस, 488 को एमडी, एमएस एवं आयुर्वेद वाचस्पति की डिग्री दी गई।इनमें से 74 छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कुल 110 पीएचडी प्राप्तकर्ताओं में 35 पुरुष और 75 महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा 73 मेडल विजेताओं में, 49 महिलाएं हैं। साथ ही यूनिवर्सिटी के

द्वारा दिए गए विशेष पदक भी महिलाओं ने जीते। यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलसचिव रहे डॉ. बीपी जोशी की स्मृति में दिया जाने वाला एक स्वर्ण पदक रिया दुआ को दिया गया, सिद्धार्थ खिटोलिया अवार्ड मुस्कान गुप्ता ने प्राप्त किया और अशोक साहनी एवं सुमन साहनी अवार्ड क्रमशः टेक्नोलॉजी एवं मेडिसिन के फील्ड में उल्लेखनीय योगदान के लिए पूजा सुखीजा और हिमानी तोमर को दिया गया।

डिग्री लेने वाले छात्रों को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल सक्सेना ने कहा कि अब आपके कंधों पर पूरे समाज और राष्ट्र की जिम्मेदारी है। आपको संवेदनशील रहना होगा। जो शिक्षा किसी के जीवन में खुशी ना ला सके वो किसी काम की नहीं। मानवीय मूल्यों की पढ़ाई किताबों से संभव नहीं है। इतिहास इस बात का गवाह है कि एक मनुष्य पूरी दुनिया में परिवर्तन ला सकता है। अब दिल्ली सुरक्षित हाथों में है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि हमारी प्राथमिकता दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने की है। छात्रों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि समाज के प्रति वे अपनी जिम्मेदारी को समझें। आपसी भागीदारी से ही विकसित दिल्ली या विकसित भारत का लक्ष्य पाया जा सकता है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि डिग्री सही मायने में विद्यार्थियों के संघर्ष की गाथा है और उनके जीवन की असली परीक्षा अब शुरू होगी। विद्यार्थियों को सस्टेनेबलिटी और एआई से देश की सूरत को बदलना होगा। सीखने की प्रक्रिया हमेशा जारी रहनी चाहिए।

दिल्ली के मुख्य सचिव धर्मेंद्र ने कहा कि स्किल गैप को कम करने की जरूरत है।

दिल्ली मंडल के रेल प्रबंधक ने कहा-कुलियों को प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण दिया जाएगा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम)

पुष्पेश रमन त्रिपाठी ने कहा कि कुलियों को प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को लाभ होगा और साथ ही यह कुलियों के दैनिक जीवन में भी उपयोगी होगा। त्रिपाठी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर कुलियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं का समाधान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक/यात्री सेवाएं, स्टेशन निदेशक और दिल्ली मंडल के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।डीआरएम त्रिपाठी ने कहा कि सहायकों के साथ बातचीत उनकी कार्य स्थितियों और समग्र कल्याण में सुधार के लिए रेलवे के प्रयासों का एक अनिवार्य हिस्सा है। सहायकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि वे स्टेशन पर यात्रियों के साथ संपर्क में सबसे आगे होते हैं और उन्हें यात्रियों के साथ विश्वास का माहौल बनाने का प्रयास करना चाहिए। सहायकों को प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को लाभ होगा और साथ ही यह सहायकों के दैनिक जीवन में भी उपयोगी होगा।

भारतीय ईवीएम फुलप्रूफ, डेटा तक अनधिकृत रूप से कोई नहीं पहुंच सकता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय चुनाव आयोग ने हैकर्स के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम में हेराफेरी को लेकर अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड के बयान का जवाब दिया है। चुनाव आयोग ने कहा कि भारतीय ईवीएम को फुलप्रूफ बनाया गया है। इसमें किसी भी नेटवर्क या वाई-फाई से कनेक्ट करने की क्षमता नहीं है। इसलिए ईवीएम के डेटा तक कोई भी अनधिकृत रूप से पहुंच नहीं सकता है। चुनाव आयोग के एक सूत्र ने कहा कि ईवीएम साधारण कैलकुलेटर के समान कार्य करती है, केवल वोटों की सही गणना करने के लिए ईवीएम होती हैं। आयोग ने जोर देकर कहा कि पांच करोड़ से अधिक मतदाताओं द्वारा सत्यापित पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) पर्चियों को वोटों की गिनती के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सावधानीपूर्वक सत्यापित और मिलान किया गया। इससे मतदान प्रक्रिया की विश्वसनीयता को बल मिलता है। सुप्रीम कोर्ट कठोर

कानूनी जांच के माध्यम से भी इनकी जांच कर चुका है। साथ ही वास्तविक चुनावों से पहले किए गए मॉकपोल के जरिए विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा सत्यापन किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत में चुनाव के दौरान प्रयोग की जाने वाली ईवीएम को लेकर तुलसी गबार्ड ने सवाल उठाया था। गबार्ड ने गुरुवार को दावा था कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम के जरिए चुनाव में छेड़छाड़ के महत्वपूर्ण जोखिम हैं। ये सिस्टम लंबे समय से हैकर्स के लिए अतिसंवेदनशील रहे हैं, जिनमें मतदान के परिणामों में हेरफेर करने की क्षमता है। इस बात के साक्ष्य मिले हैं कि कैसे ये इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम बहुत लंबे समय से हैकरों के लिए आसान टार्गेट थीं और वोटों के परिणामों में हेरफेर करने के लिए उनका इस्तेमाल किया जा सकता था। उन्होंने इस आधार पर अमेरिका में पेपर बैलेट के इस्तेमाल की वकालत की।

विरासत, संस्कृति और परंपरा से जुड़ने का अवसर है सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का दिल्ली के लाल किले पर किये जाने वाला मंचन भारतवर्ष के महान, यशस्वी और दूरदर्शी शासक सम्राट विक्रमादित्य के प्रेरणादायक जीवन को पुनः जीवंत करेगा। यह उनके द्वारा सुशासन के क्षेत्र में स्थापित किये गये मानदण्डों से आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करता रहेगा। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर केन्द्रित महानाट्य का मंचन दिल्ली में किया जा रहा है, जो हर्ष और सौभाग्य का विषय है। इस महानाट्य के माध्यम से दिल्लीवासियों को अपनी विरासत, संस्कृति और परंपरा से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्तानई दिल्ली में चांदनी चौक पर मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित सम्राट विक्रमादित्य की शोभा यात्रा शुरू होने पहले कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रसन्नता है कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की

अवधारणा पर इतने बड़े आयोजन का उन्हें स्वागत अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने दिल्ली के नागरिकों को लाल किले के माधव दास पार्क में 12 से 14 अप्रैल तक आयोजित होने वाले सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य को देखने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सम्राट विक्रमादित्य का पात्र निभाने वाले कलाकार विक्रम सिंह चौहान की आरती उतारी, तिलक लगाया और पुष्पाहार पहना कर दिल्ली में स्वागत किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सम्राट विक्रमादित्य को रथ पर बैठा कर फतेहपुरी, चांदनी चौक से लाल किले तक भव्य शोभा यात्रा को रवाना किया। शोभायात्रा में घोड़ों और ऊंट पर सवार सम्राट विक्रमादित्य के नवरत्न, सैनिक और नृत्य दल शामिल हुआ।

अयोध्या राष्ट्र का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आधार, प्राचीन भारत का सॉफ्ट पावरः मनोज सिन्हा

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी कला केंद्र और अयोध्या न्यास का तीन दिवसीय 'अयोध्या पर्व' का भव्य शुभारम्भ हुआ। इस मौके पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 22 जनवरी को पुनर्निर्मित श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के उद्घाटन का जिक्र करते हुए कहा कि यह तिथि नहीं, एक ऐसी सेतु है, जिसमें अतीत से वर्तमान को जोड़ने का एक वृहत्तर काम किया है। उन्होंने यह भी कहा कि यह सिर्फ एक प्राचीन शहर और तीर्थस्थल का पुनरुत्थान नहीं है बल्कि सदियों के भारत ने एक आध्यात्मिक जागृति का अनुभव किया है। अयोध्या का महत्त्व भूगोल से परे है। अयोध्या आनंद और जागृति की कुंजी है। अयोध्या हमारी सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। अयोध्या हमारी प्रेरक शक्ति है। अयोध्या राष्ट्र का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आधार भी है। हज़ारों वर्षों से

अयोध्या ने हमारी राष्ट्रीय पहचान और पूरे समाज को जोड़े रखने में सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, कि एक तरफ अयोध्या में जहां आप अध्यात्म का स्वर्ण शिखर देख सकते हैं, वहीं दूसरी तरफ अयोध्या में आपको व्यक्तिगत मूल्यों और आकांक्षाओं का प्रतीक मूल्य भी स्पष्ट रूप से नज़र आएगा। रामराज्य के संदर्भ में उन्होंने कहा, भगवान राम को विकास, साहस, न्याय और जीवंत धर्म का प्रतीक पुरुष मानते हैं। वह अवतार थे, लेकिन सुशासन के भी प्रतीक हैं। वह त्रेता युग में जरूर पैदा हुए थे, लेकिन वह भविष्योन्मुखी भी हैं। सुशासन के संदर्भ में मनोज सिन्हा ने कहा कि आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम चला रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 'अयोध्या पर्व' के आयोजन के लिए आईजीएनसीए और अयोध्या न्यास को बधाई दी और आयोजन के सफलता की कामना की।

यूपीएससी ने एनडीए और एनए परीक्षा (II) 2024 का अंतिम परिणाम घोषित किया

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) और नौसेना अकादमी (एनए) परीक्षा (II), 2024 की लिखित परीक्षा का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया। यूपीएससी ने एक बयान जारी कर बताया कि आयोग द्वारा 1 सितंबर, 2024 को आयोजित लिखित परीक्षा और उसके बाद सेवा चयन बोर्ड, रक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित साक्षात्कारों के परिणामों के आधार पर एनडीए के सेना, नौसेना

और वायु सेना विंग में 154वें पाठ्यक्रम और एनए में 116वें भारतीय नौसेना अकादमी पाठ्यक्रम (आईएनएसी) में प्रवेश के लिए अर्हता प्राप्त करने वाले 792 उम्मीदवारों की योग्यता क्रम की सूची जारी की है। आयोग ने बयान में कहा है कि इन सूचियों को तैयार करते समय मेडिकल परीक्षा के परिणामों को ध्यान में नहीं रखा गया है। परिणाम यूपीएससी की वेबसाइट https://www.upsc.gov.in पर भी उपलब्ध है। उम्मीदवारों के अंक अंतिम परिणाम घोषित होने की तिथि से 15 दिन बाद वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।

आईपीयू की 150वीं सभा में बोले राज्य सभा के उपसभापति, लोकतांत्रिक सुदृढ़ीकरण के लिए उठाए गए कदमों को किया रेखांकित

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने ताशकंद में आयोजित अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की 150वीं सभा के दौरान भारत सरकार द्वारा जवाबदेही को बेहतर बनाने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को सशक्त करने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों को रेखांकित किया। ये अभ्युक्तियां आईपीयू संकल्पों और निर्णयों के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित विशेष सत्र में की गई। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि 'हमारी सरकार ने बच्चों के साथ दुर्व्यवहार, शोषण, तस्करी, और हिंसा के विरुद्ध एक व्यापक रणनीति लागू की है, जिसके अंतर्गत द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं और इन मुद्दों से निपटने के लिए बहुपक्षीय पहलों में भागीदारी की गई है। भारत ने सशक्त संसदीय लोकतंत्र, स्वतंत्र न्यायपालिका और निर्वाचन आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जैसे संस्थानों की स्थापना हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए की है।÷ उपसभापति सभा की मुख्य कार्यवाही और गवर्निंग काउंसिल की बैठक का भी हिस्सा थे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया जिसमें दोनों सभाओं के सदस्य सम्मिलित थे। आईपीयू सभा का विषय

सामाजिक विकास और न्याय हेतु संसदीय कार्रवाई था। अपने पांच दिवसीय ताशकंद दौरे के दौरान उपसभापति ने विभिन्न देशों के पीठासीन अधिकारियों और राष्ट्राध्यक्षों के साथ कई अन्य द्विपक्षीय बैठकें की ।राज्य सभा सचिवालय ने विज्ञप्ति जारी कर बताया उपसभापति और लोक सभा अध्यक्ष ने उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव से भी शिष्टाचार भेंट की। इस बैठक में उन्होंने दोनों देशों के गहरे संबंधों को रेखांकित किया तथा आगामी वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ बनाने पर बल दिया। एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भारत उज्बेकिस्तान की स्वतंत्रता के बाद उसकी राज्य संप्रभुता को मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक था, जिसे 18 मार्च, 1992 को राजनयिक संबंधों की स्थापना द्वारा औपचारिक रूप दिया गया।सम्मेलन के दौरान उपसभापति और लोक सभा अध्यक्ष ने आर्मेनिया, कज़ाखस्तान, उज्बेकिस्तान सहित अन्य देशों के प्रतिनिधिमंडलों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

दूसरे परीक्षण में लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम 'गौरव' ने लक्ष्य पर साधा सटीक निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान से लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम (एलआरजीबी) गौरव अपने दूसरे परीक्षण में भी खरा उतरा है। ओडिशा के तट पर परीक्षण के दौरान ग्लाइड बम ने लॉन्ग व्हीलर द्वीप पर स्थापित लक्ष्य को बिल्कुल सटीकता से मारकर अपनी उपयोगिता साबित की। उड़ान की निगरानी डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, भारतीय वायु सेना को बधाई दी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम का पहला परीक्षण पिछले साल 14 अगस्त को किया था। डीआरडीओ ने लड़ाकू विमान एसयू-30 एमकेआई से 8-10 अप्रैल के दौरान लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम (एलआरजीबी) 'गौरव' के सफल परीक्षण किए हैं। उड़ान परीक्षण के दौरान ग्लाइड बम ने लॉन्ग व्हीलर द्वीप पर स्थापित लक्ष्य को सटीक निशाना बनाया। परीक्षण प्रक्षेपण के दौरान संपूर्ण उड़ान डेटा को समुद्र तट के किनारे एकीकृत परीक्षण रेंज में तैनात टेलीमेट्री और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम के जरिए कैप्चर किया गया। उड़ान की निगरानी डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने की। विकास सह उत्पादन साझेदार अडाणी डिफेंस और भारत फोर्ज ने भी उड़ान परीक्षण के दौरान भाग लिया। एलआरजीबी 'गौरव' हवा से प्रक्षेपित 1,000 किलोग्राम वर्ग का ग्लाइड बम है, जो लंबी दूरी पर लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। प्रक्षेपित होने के बाद ग्लाइड बम आईएनएस और जीपीएस डेटा के संयोजन के साथ अत्यधिक सटीक हाइब्रिड नेविगेशन योजना का उपयोग करके लक्ष्य की ओर बढ़ता है। गौरव को हैदराबाद के रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई) ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम 'गौरव' के सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, भारतीय वायु सेना को बधाई दी।

दिल्ली में तेज आंधी के साथ बारिश, मौसम विभाग ने जारी किया रेड अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में लगातार दूसरे दिन तेज आंधी के साथ बारिश हुई। इससे एक तरफ जहां तापमान में गिरावट आई वहीं दूसरी तरफ कई इलाकों में पेड़ और बिजली के खम्भे गिर गए, जिससे कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट समेत उत्तर भारत के कई हवाई अड्डों पर विमान परिचालन भी प्रभावित हुआ। गुरुवार को भी धूल भरी आंधी आई थी और बारिश भी हुई थी। आज शाम आई तेज आंधी के कारण दिल्ली-एनसीआर में चारों तरफ धूल का गुबार ही नजर आ रहा था, जिसके कारण सड़कों पर पैदल ही नहीं बल्कि वाहन पर भी चलना दूभर हो गया। आंधी के बाद अचानक झमाझम बारिश भी होने लगी। यही हाल गुरुग्राम और नोएडा का भी रहा। वहां भी धूल भरी आंधी चलने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों के दफ्तरों से निकलने का समय था कि तभी आंधी चलने लगी।धूल भरी आंधी के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर 15 उड़ानों को डायवर्ट किया गया। दिल्ली में मौसम बिगड़ने के चलते मेट्रो ट्रेनों की रफ्तार पर भी असर पड़ा। बिजली का खंभा गिरने से आईटीओ इलाके में यातायात प्रभावित हुआ। दिल्ली के

सराय रोहिल्ला इलाके में पेड़ गिरने से कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। मौसम विभाग ने पूरे दिल्ली-एनसीआर में हल्की से मध्यम बारिश, आंधी, धूल भरी आंधी के साथ 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने अपने अलर्ट में कहा, अगले 2 घंटों के दौरान पूरे दिल्ली और एनसीआर में धूल भरी आंधी/बाद में हल्की से मध्यम बारिश (40-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं) की संभावना है। आईएमडी ने अपने पूर्वानुमान में कहा था कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण 9 से 11 अप्रैल के बीच राजधानी में बारिश और आंधी की संभावना है। इससे पहले, गुरुवार को भी दिल्ली में धूल भरी आंधी के बाद अचानक बारिश हुई, जिससे एक घंटे के भीतर तापमान में भारी गिरावट आई और भीषण गर्मी से काफी राहत मिली।

दिल्ली को सुरक्षित बनाने का संकल्प, सीएम ने चार हजार डार्क स्पॉट्स को रोशन करने के दिए निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सार्वजनिक सुरक्षा, ट्रैफिक की समस्या और बेघर लोगों के लिए बनाए गए शेल्टर होम्स की स्थिति में व्यापक सुधार के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने शहर में फैले 4,000 से अधिक डार्क स्पॉट्स (अंधेरे इलाकों) को प्राथमिकता के आधार पर सुधारने के आदेश दिए हैं।

एक उच्च स्तरीय बैठक में सीएम रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शहर में जिन चार हजार जगहों पर प्रकाश की कमी है, वह महिलाओं के लिए असुरक्षित साबित हो सकते हैं। इन इलाकों में सफाई के साथ-साथ पर्याप्त स्ट्रीट लाइट्स लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। उन्होंने अधिकारियों को जल्द से जल्द इन स्थानों को सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने 129 मोबाइल डार्क स्पॉट भी चिह्नित किए, जहां मोबाइल नेटवर्क कवरेज कमजोर है या पूरी तरह से नहीं है। सीएम ने इन क्षेत्रों में इमरजेंसी सेवाओं की सुचारू पहुंच सुनिश्चित करने के लिए टेलीकॉम कंपनियों और संबंधित विभागों को नेटवर्क सुधार के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में मजबूत मोबाइल कनेक्टिविटी, विशेषकर संकट की घड़ी में, सुरक्षा का एक अहम हिस्सा है। इसके अलावा, दिल्ली में भीड़भाड़ वाले 233 स्थानों की पहचान की गई है, जो यातायात प्रवाह और सार्वजनिक आवाजाही दोनों को बाधित कर रहे हैं। इनमें से 123 पॉइंट्स लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत आते हैं। अब तक 41 प्वाइंट्स से जाम की समस्या को हटाया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि शहर की जनता को जाम से राहत देने के लिए शेष सभी प्वाइंट्स को जून तक हर हाल में हल किया जाए।

संपादक की कलम से

मोदी और ट्रम्प बहुत बड़ी भूल करने में भी एक समान

संयुक्त राज्य अमेरिका में, अमेरिका फर्स्ट के लिए ट्रम्प के जल्दबाजी के प्रयास ने पहले ही भविष्य की परेशानी के बीज बो दिये हैं। दोनों नेताओं ने लोगों के जीवन और आजीविका के साथ जुआ खेला है, और जब चीजें गलत होती हैं, तो वे वास्तविकता का सामना करने के बजाय कहानी को फिर से लिखना चाहते हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प और नरेंद्र मोदी एक-दूसरे के लिए प्रशंसा व्यक्त करते नहीं थकते। उनका परस्पर सम्मान एक अजीब अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक सौहार्द्र का आभास देता है, जो निर्विवाद है। जो चीज उन्हें जोड़ती है, वह केवल साझी विचारधारा नहीं है, बल्कि लोकलुभावनवाद, कथित देशभक्ति, और प्रायः नाटकीय परन्तु लापरवाह निर्णय लेने की प्रवृत्ति से आकार लेने वाला एक समान विश्वदृष्टि है।

मोदी का 'आत्मनिर्भर भारत', एक मजबूत राष्ट्रवादी झुकाव के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता का आह्वान है, जो ट्रम्प के 'अमेरिका फर्स्ट' बयानबाजी को दर्शाता है। दोनों नेता एक ऐसा दृष्टिकोण पेश करते हैं जो राष्ट्रीय गौरव के लिए एक भावनात्मक, लगभग नाटकीय अपील से अपनी शक्ति प्राप्त करता है, जो स्वायत्तता और शक्ति के भ्रम से घिरा हुआ है।

दोनों ही राष्ट्रीय नीति को व्यक्तिगत धर्मयुद्ध के रूप में पुनः ब्रांड करने में माहिर हैं, फिर भी छाती पीटने वाली इस सतह के नीचे स्तर के शासन में एक पैटर्न छिपा हुआ है जो कि सार से अधिक दिखावे से और रणनीति से अधिक भावना से चिह्नित है।

इस संबंध में, ट्रम्प की 'मुक्ति दिवस' पहल मोदी के विमुद्रीकरण प्रयोग से एक अजीब समानता रखती है- एक भयावह गलत अनुमान जो मास्टर स्ट्रोक के रूप में प्रच्छन्न है। 2016 में मोदी के विमुद्रीकरण - अचानक और बहुत कम योजना के साथ घोषित - ने भारत की 86 प्रतिशत मुद्रा को रातोंरात अमान्य कर दिया। यह कथित तौर पर काले धन, नकली मुद्रा और आतंकवाद के वित्तपोषण को जड़ से खत्म करने के लिए बनाया गया था, लेकिन यह जल्दी ही अराजकता में बदल गया। छोटे व्यवसाय ध्वस्त हो गये, मजदूरों ने शहरों से पलायन कर लिया और एटीएम के बाहर लंबी कतारें आर्थिक कुप्रबंधन का भयावह प्रतीक बन गयीं। विशेषज्ञों द्वारा खतरे की घंटी बजाये जाने के बावजूद, मोदी ने अपना मसीहावादी लहजा बरकरार रखा और नागरिकों से उज्ज्वल भविष्य के लिए मात्र 50 दिन की कठिनाई सहने का आग्रह किया।

डोनाल्ड ट्रम्प के तथाकथित मुक्ति दिवस, व्यापक टैरिफ के एक नये दौर की नाटकीय शुरूआत, ठीक उसी तरह के वैश्विक व्यवधान के साथ हुई है, जिसके बारे में आलोचकों ने चेतावनी दी थी। बाजार की प्रतिक्रियाएं तत्काल और क्रूर थीं। घोषणा के बाद पहले कुछ दिनों में यू.एस. स्टॉक इंडेक्स में तेजी से गिरावट आयी, जिसमें डॉ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज-800 से अधिक अंक गिर गया और नसदक को और भी ज्यादा झटका लगा। अनिश्चितता में अचानक वृद्धि से निवेशक पीछे हट गये, आपूर्ति श्रृंखला एक बार फिर से क्रॉसहेयर में आ गयी और मुद्रास्फीति की आशंका फिर से भड़क गयी। टैरिफ युद्ध ने वैश्विक व्यापार के मूल में प्रहार किया है, जो अमेरिकी आर्थिक संप्रभुता को पुनः प्राप्त करने की आड़ में चीन, यूरोपीय संघ और मैक्सिको सहित प्रमुख आर्थिक भागीदारों से आयात को लक्षित करता है। ट्रम्प ने साहस दिखाना जारी रखा है, यह आश्वासन देते हुए कि यह समस्या अस्थायी है, ठीक वैसे ही जैसे मोदी ने किया था जब उनका विमुद्रीकरण का तुगलकी दुस्साहस एक धोखा प्रतीत हुआ था।

ट्रम्प टैरिफ का जवाब तेजी से दिया गया है। चीन ने स्वयं के काउंटर-टैरिफ के साथ जवाब दिया। यूरोपीय संघ व्हिस्की, मोटरसाइकिल और औद्योगिक वस्तुओं जैसे प्रमुख अमेरिकी निर्यातों को लक्षित करते हुए अपने स्वयं के प्रतिशोधात्मक उपायों की सूची का मसौदा तैयार करते हुए विश्व व्यापार संगठन में एक कानूनी चुनौती तैयार कर रहा है। मैक्सिको ने भी अन्य लैटिन अमेरिकी देशों के साथ समन्वित व्यापार प्रतिरोध का संकेत दिया है। ट्रम्प ने जो सपना देखा था कि डॉलर मजबूत होगा, वह भी अब नकारात्मक रूप से प्रभावित हो रहा है।

विश्व अर्थव्यवस्था के लिए दृष्टिकोण लगभग रातोंरात अंधकारमय हो गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 'बढ़ते व्यापार तनाव और वैश्विक अनिश्चितता' का हवाला देते हुए विकास पूर्वानुमानों को संशोधित किया है। उभरते बाजार, जो निर्यात और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण पर बहुत अधिक निर्भर हैं, आगे की अस्थिरता के लिए तैयार हैं। अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि निरंतर टैरिफ वृद्धि अगले वर्ष वैश्विक जीडीपी वृद्धि से पूर्ण प्रतिशत अंक कम कर सकती है। जिस तरह मोदी के विमुद्रीकरण में एक भव्य राष्ट्रवादी हस्तक्षेप के सभी लक्षण थे- सिस्टम को साफ करना, भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करना, अर्थव्यवस्था को शुद्ध करना - ट्रम्प का लिबरेशन डे युद्ध, जीत की भाषा में लिपटा हुआ था, और अमेरिकी दृढ़ता को प्रतिबिंबित करता था। फिर भी दोनों ही बहुत अवैज्ञानिक थे, आंकड़ों के यथार्थ से कटे हुए थे, और संस्थागत परामर्श से रहित थे।

डिजिटल मीडिया : अनछुए मसलों को उजागर करने का तंत्र

- अमन नम्र

डिजिटल मीडिया का विकास ठीक इसी वजह से हुआ है क्योंकि यह ज्यादा व्यक्तिगत और संवाद के अनुभव प्रदान करता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म कंटेंट क्रिएटर्स को खास दर्शकों को ध्यान में रखकर ज्यादा सार्थक, विविधतापूर्ण और गहन कंटेंट बनाने की अनुमति देते हैं। चाहे वह 'यू-ट्यूब' पर खोजी पत्रकारिता हो या विशेष समाचार वेबसाइट। ये सभी अब देश की नब्ज पहचान रहे हैं, आम नागरिकों से जुड़े ऐसे मुद्दों पर ध्यान दे रहे हैं।

तेजी से बढ़ती तकनीकी प्रगति और बदलते उपभोग पैटर्न के दौर में, भारत में डिजिटल मीडिया का उदय किसी क्रांति से कम नहीं है। पारंपरिक टेलीविजन, जिसे अक्सर 'बुद्धू बक्सा' कहा जाता है, अपनी जगह खोता जा रहा है। डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म न केवल दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, बल्कि मीडिया परिदृश्य को भी नया आकार दे रहे हैं। व्यवसायियों की संस्था 'फिक्की-ईवाई' की एक हालिया रिपोर्ट बताती है कि भारत का डिजिटल मीडिया उद्योग 17फीसदी की प्रभावशाली दर से बढ़ रहा है और 2025 तक 802 अरब रुपयों तक पहुंच जाएगा। यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है, जिसमें डिजिटल मीडिया अब समग्र मीडिया और मनोरंजन में 32फीसदी का योगदान देता है, लेकिन टेलीविजन उद्योग के लिए इस वृद्धि का क्या मतलब है और यह परिवर्तन अभी क्यों हो रहा है?

पारंमहत्वपूर्ण बदलाव है, जिसमें डिजिटल मीडिया अब समग्र मीडिया और मनोरंजन में 32फीसदी का योगदान देता है, लेकिन टेलीविजन उद्योग के लिए इस वृद्धि का क्या मतलब है और यह परिवर्तन अभी क्यों हो रहा है?

पारं ने इसे भारतीय मीडिया की स्थिति से निराश व्यक्ति का एक सनकी बयान माना था। फिर भी, रवीश खुद इस बात का जीता-जागता उदाहरण बन गए कि कैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म न केवल एक विकल्प, बल्कि मीडिया जुड़ाव के लिए एक ज्यादा मुनाफे वाला और विश्वसनीय जरिया पेश कर सकते हैं। 'एनडीटीवी' में अपनी भूमिका से लेकर अपना खुद का 'यू-ट्यूब' चैनल शुरू करने तक, रवीश कुमार की आय और प्रभाव दोनों में वृद्धि डिजिटल मीडिया की शक्ति का प्रमाण है।

तो, टेलीविजन के साथ क्या गलत हुआ? जबकि टीवी कभी सार्वजनिक चर्चा को आकार देने में प्रमुख शक्ति था, लेकिन यह दर्शकों की बदलती प्राथमिकताओं के अनुकूल होने से खुद को दूर करता चला गया। 'बुद्धू बक्सा' उपनाम, जिसे कभी एक मजाक के रूप में देखा जाता था, अब उन लाखों लोगों की भावनाओं को दर्शाता है जिनका लगभग हर टीवी न्यूज चैनल पर लगातार चल रहे सनसनीखेज, एजेंडा-संचालित प्रसारण से मोहभंग हो चुका है।

विमान क्रैशः ये चूक किस पर भारी

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

देश में कुछ घटनाएं ऐसी होती हैं, जो बार-बार होती है, किंतु इसके बाद भी उनसे हम कुछ सबक लेना नहीं चाहते। तर्कों की बोछारों के बीच इस मामले में अपने-अपने सभी के तर्क हो सकते हैं। कोई सिस्टम का हवाला देगा तो कोई संसाधनों की कमी या समय को इसके लिए दोषी मानेगा, किंतु इस सब के बीच जो नहीं बदलने वाला वह है सत्य, जो घट चुका है। दो अप्रैल को हुए विमान हादसे में इंडियन एयरफोर्स के फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव का सिर्फ 28 वर्ष की अल्प आयु में निधन हो गया। उनके निधन ने एक बार फिर से भारतीय सेना द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे दशकों पुराने विमानों को लेकर बहस छेड़ दी है। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने स्वयं स्वीकार किया है कि जगुआर लड़ाकू विमान में पायलटों को तकनीकी खराबी का सामना करना पड़ा और हादसा हो गया।

संवेदना के स्तर पर एक मां का भावुक पत्र पूरे सिस्टम को आज बड़ा संदेश दे रहा है। वस्तुतः 2001 में एमआईजी-21 क्रैश में हुतात्मा होनेवाले फ्लाइट लेफ्टिनेंट अभिजीत गाडगिल की मां ने फेसबुक के माध्यम से एयरफोर्स के विमान हादसों को लेकर लिखा है, मैं चाहती हूं कि आप याद रखें। गुस्सा करें। बेहतर की मांग करें। परवाह करने के लिए अगली दुर्घटना का इंतजार न करें। 75 साल की कविता गाडगिल लिखती हैं, इन लड़कों को फोटो खिंचवाने और देशभक्ति के हैशटैग तक सीमित न रखें, भारत के प्रिय नागरिकों, एक और जवान चला गया। फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव। युद्ध में शहीद नहीं हुआ। लड़ाई में नहीं मारा गया। लेकिन 46 साल पुराने जगुआर जेट में खो गया, जिसे उसके जन्म से बहुत पहले ही जमीन पर उतार दिया जाना चाहिए था। उनकी मृत्यु एक ऐसे विमान को उड़ाते हुए हुई जिसे दुनिया ने दशकों पहले ही रिटायर कर दिया था। एक ऐसा विमान जो मिग-21 की तरह आज भी हमारे आसमान में आतंक मचा रहा है और हमारे सबसे होनहार और बहादुर लोगों की जान ले रहा है, दुश्मन की कार्रवाई की वजह से नहीं, बल्कि हमारी अपनी उदासीनता के कारण।

ये मां आगे लिखती हैं, मेरे बेटे, फ्लाइट लेफ्टिनेंट अभिजीत गाडगिल की भी इसी तरह मृत्यु हुई थी। 2001 में। तब से, 340 से अधिक भारतीय वायु सेना के विमान दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। 150 से अधिक पायलट मारे गए हैं। संख्याएं भयावह हैं। उनके बारे में चुप्पी, और भी बदतर है। और फिर भी, हम आगे बढ़ते हैं। कोई जवाबदेही नहीं। कोई सुधार नहीं। कोई आक्रोश नहीं। इसके बजाय हमें सलाह मिलती है। मंत्रियों और नौकरशाहों से जो इनोवेशन और डीप टेक रिवॉल्यूशन की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। जो युवा उद्यमियों और सपने देखने वालों को पर्याप्त काम न करने के लिए दोषी ठहराते हैं। जबकि उनकी अपनी मशीनरी, पीएसयू, रक्षा अनुसंधान संगठन, राज्य तंत्र, साल-दर-साल हमारे सशस्त्र बलों को विफल करते रहते हैं।हम ग्लोबल पावर बनने की बात करते हैं। हम विश्व मंच पर सम्मान की मांग करते हैं। लेकिन हम अपने ऑफिसर्स को पुराने विमानों, उधार के समय और उधार के पुर्जों पर उड़ने वाली मशीनों में भेजते हैं। और हम इसे वीरता कहते हैं। यह वीरता नहीं है। यह हिंसा है।

ये दर्द बहुत भयंकर है, हमारे अपने लोगों के खिलाफ राज्य द्वारा स्वीकृत हिंसा। सिद्धार्थ की सगाई हुई थी। दुर्घटना से दस दिन पहले। वह अपना जीवन संवार रहा था। और हमने उसे कॉकपिट के नाम पर एक ताबूत दिया। मुझे आपकी संवेदनाएं नहीं चाहिएङ्क उनके ताबूतों को सलाम मत करो और अगले हफ़्ते की सुर्खियों में उन्हें भूल जाओङ्क वे इससे बेहतर के हकदार थे। हम उनसे बेहतर के लिए ऋणी हैं

कहना होगा कि भारतीय वायु सेना के पिछले एक साल में छह फाइटर जेट क्रैश हुए हैं। दिसंबर 2024 में संसद की स्टैंडिंग कमेटी की एक रिपोर्ट में यह बताया गया था कि वर्ष 2017 से 2022 के बीच कुल 35 फाइटर जेट्स कॉम्बैट हेलीकॉप्टर और ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट दुर्घटनाग्रस्त हुए, जिसमें कि 54 प्रतिशत ये क्रैश किसी तकनीकी खराबी के कारण नहीं पायलट या किसी और ऑफिसर की गलती,ुमन एरर के कारण से हुए। सरकार ने संसद में यह भी बताया था कि अब भारत में ऐसी दुर्घटनाएं बहुत कम हो रही हैं और पहले जहां 10 हजार फ्लाइंग हॉर्स पर यह 0.9 थीं वह अब 2020 से 2024 तक 0.2 पर आ गई हैं। अब सेना और भारत सरकार के समर्थन में बात रखनेवाले इस आंकड़े को देखकर अवश्य यह कह सकते हैं कि सरकार तो अपना काम कर रही है। घटनाओं में कमी साफ बता रही है कि कैसे भारत में इस ओर भी सशक्त रूप से ध्यान दिया जा रहा है। पर विषय इतना सरल नहीं कि इसकी गंभीरता को इतना कहकर नकार दिया जाए! क्योंकि भारत इन दुर्घटनाओं के चलते अपने श्रेष्ठ पायलटों को लगातार खो रहा है।

वास्वत में यह बहुत ही समझ के परे है कि भारतीय वायुसेना अब तक 1970 के दशक के पुराने जगुआर लड़ाकू विमानों पर क्यों निर्भर है करीब 120 जगुआर भारतीय वायुसेना के बेड़े में अब भी मौजूद हैं, जबकि दुनिया इस श्रेणी के पुराने विमानों को दशकों पहले ही हटा चुकी है। यह सही है कि जगुआर को कभी तेज और नीची ऊंचाई पर मिशन अंजाम देने के लिए डिजाइन किया गया था। इसके माध्यम से कभी 1987 से 1990 के बीच श्रीलंका में इंडियन पीस कीपिंग फोर्स मिशन के दौरान इसने महत्वपूर्ण जासूसी और निगरानी में अपनी सशक्त भूमिका को अंजाम दिया। इस दौर में जब भारत की परमाणु शक्ति आकार ले रही थी, तब मुख्य डिलीवरी प्लेटफॉर्म के रूप में अपना कार्य बखूबी अंजाम देने में भी यह सफल साबित हुआ। वहीं जगुआर 1999 के करगिल युद्ध में ऊंचे और कठिन इलाकों में सटीक बमबारी कर रहा था। इसके अलावा वर्ष 2003 में पृथ्वी-कक मिसाइल के आने तक जगुआर ही भारत की न्यूक्लियर स्ट्राइक फोर्स की रीढ़ बना रहा, किंतु यह भी सच है कि आज के आधुनिक स्टेल्थ फाइटर जेट के मुकाबले यह पूरी तरह से कमजोर साबित हो रहा है। इसकी नीची उड़ान क्षमता, जो कभी इसकी ताकत रही, वह अब दुश्मन की एडवांस्ड रडार टेक्नोलॉजी के सामने अपना प्रभाव खो चुकी है। इसलिए हमें यह स्वीकारना होगा कि जगुआर की तकनीक अब पुरानी हो चुकी है और इसकी क्षमताएं भारत की रक्षा जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहीं, बल्कि अपने होनहार पायलटों को खोने का कारण बन रहीी है। इसलिए हमें यह स्वीकारना होगा कि जगुआर की तकनीक अब पुरानी हो चुकी है और इसकी क्षमताएं भारत की रक्षा जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहीं, बलकि अपने होनहार पायलटों को खोने का कारण बन रहीज यह कहना सही होगा कि यह किसी एक मां का दर्द नहीं, जिसने अपने बेटे को विमान हादसे में खोया है, बलकि यह हर भारत वासी का दर्द है जो अपने वतन और अपने बहादुर सैनियों से अपार प्रेम करते हैं। अब सरकार इस बार को जितना जल्दी समझे उतना अच्छा है!

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

ट्रम्प-मस्क के खिलाफ अमेरिका

जिस डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार जीतकर आने के बाद उनके शपथ ग्रहण समारोह में न्यौता पाने के लिये भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उत्सुक थे और तत्काल बाद बगैर कोई खास अवसर के अमेरिका पहुंचकर उनसे मिल आये थे, उन्हीं ट्रम्प महाशय के खिलाफ अमेरिका की जनता सड़कों पर है। ये वे ही लोग हैं जिन्होंने उन्हें दूसरी बार दुनिया के सबसे ताकतवर देश की गद्दी सौंपी थी तथा इन्हीं के भरोसे ट्रम्प तीसरी बार राष्ट्रपति बनने के लिये वहां के संविधान में संशोधन तक लाने की तैयारी कर रहे हैं। वहां के शनिवार (5 अप्रैल) को उनके खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन किया गया जो हाल के वर्षों का उस देश का सबसे बड़ा जन प्रदर्शन रहा। अमेरिकी नागरिक मानने लगे हैं कि उन्होंने ट्रम्प को चुनकर बड़ी गलती की है। मुख्य वजह है ट्रम्प की नीतियां जिनके बारे में वे कह रहे हैं कि इससे अमेरिका दुनिया भर में अपने सहयोगियों को खो रहा है। उनकी टैरिफ नीति के साथ सामाजिक सुरक्षा पर आसन्न खतरों को लेकर वे बेहद गुस्से में हैं।

दुनिया के सबसे अमीर एलन मस्क भी जनता के निशाने पर आ गये हैं जिन्होंने ट्रम्प के प्रचार अभियान को तो सम्हाला ही था, ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद एक तरह से वे प्रशासन में खासमखास हैं। ट्रम्प ने उन्हें डीओजीई यानी सरकारी दक्षता विभाग का प्रमुख बना दिया है जो प्रशासन कर्मचारियों की बड़ी संख्या में कटौती करने का इरादा जाहिर कर चुके हैं। यह अलग बात है कि उन्होंने हाल ही में यह पद जल्दी छोड़ देने का ऐलान किया है। तो भी, ट्रम्प की नीतियों पर मस्क का कहा बहुत चलता है। वे पद छोड़ भी दें तो भी उनका प्रभाव बना रहेगा।

इस विशाल देश के सभी 50 राज्यों में 1400 से ज्यादा स्थानों पर ट्रम्प और एलन मस्क की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन हुए जिनमें हजारों की संख्या में अमेरिकी नागरिक हैंड्स ऑफ (हमारे अधिकारों से दूर रहो) की तख्तियां लिये हुए थे जिन पर ट्रम्प व मस्क की तस्वीरें थीं। विरोध प्रदर्शनों में 150 से अधिक संगठनों ने भाग लिया। बताया गया है कि 6 लाख से ज्यादा लोगों ने प्रदर्शनकारियों के रूप में अपने नाम पंजीकृत कराये थे। इनमें सामान्य नागरिकों के अलावा मानवाधिकार व श्रम संगठन के सदस्य, समलैंगिकों के अधिकारों के समर्थक, राजनीतिक कार्यकर्ता आदि शामिल थे। यह प्रदर्शन पूर्णतः शांतिपूर्ण रहा। किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी को मिली सफलता के बाद ट्रम्प को राष्ट्रपति का पद सम्हाले अभी तीन माह भी नहीं हुए हैं, पर उनके कामकाज के तरीकों ने पूरे अमेरिका को नाराज कर दिया है। उनके कामों का प्रतिकूल असर न सिर्फ देश के भीतर वरन विश्व भर में पड़ने की सम्भावना है। खासकर उनकी टैरिफ नीति से, जिसे ट्रम्प द्वारा दुनिया भर के खिलाफ छेड़ा गया टैरिफ वॉर कहा जा रहा है, अमेरिका को बड़ा नुकसान होने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

अमेरिका में आप्रवासियों को जिस तरह से बाहर निकाला गया उससे भी लोगों में नाराजगी है क्योंकि ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में भेदभाव की नीति अपना रहे हैं। उन्होंने अपने देश में क्रूर पूंजीवादी व्यवस्था को बढ़ावा देने की जो नीति अपनाई है वह उनके अपने लोगों को इसलिये नहीं भा रही है क्योंकि उससे बड़े पैमाने पर लोगों की नौकरियां जा सकती हैं और कल्याणकारी कार्यक्रमों के बजट में कटौतियां सम्भव हैं। इससे उनके जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। आधे दशक से भी ज्यादा की अवधि में दुनिया भर में कई अनावश्यक निर्मित सैन्य मोर्चों पर, विशेषकर शीत युद्ध के दौरान अपने हजारों नागरिकों के प्राण गंवाने वाले अमेरिकियों को ट्रम्प की भड़काऊ व उकसाने वाली नीतियां रास नहीं आ रही हैं।

वाम राजनीति की नयी उम्मीद : एमए बेबी

- के रवींद्रन

कई चुनौतियों के बीच केरल के वरिष्ठ साम्यवादी नेता मरियम एलेक्जेंडर बेबी को देश के सबसे बड़े वामपंथी दल- कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्किसस्ट) ने रविवार को अपना नया महासचिव नियुक्त किया। पिछले वर्ष 12 सितम्बर को सीताराम येचुरी के निधन के बाद से यह पद रिक्त था जो उन्होंने लगभग 9 साल तक सम्हाला था। तमिलनाडु के मदुरै में सम्पन्न पार्टी के 5 दिवसीय सम्मेलन के अंतिम दिन उन्हें यह पद दिया गया। उनके खिलाफ खड़े महाराष्ट्र के ट्रेड यूनियन नेता डीएल कराड़ को सिर्फ 31 वोट मिले। सीपीआई (एम) की केरल शाखा से पार्टी का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पद सम्हालने वाले वे दूसरे नेता हैं- दिग्गज ईएमएस नंबूदरीपाद के पश्चात।

पार्टी द्वारा हाल ही में 75 साल की उम्र सीमा का नियम लागू करने के बाद पूर्व महासचिव प्रकाश करात, वृंदा करात, सूर्यकांत मिश्रा, सुभाषिनी अली, माणिक सरकार और जी. रामकृष्णन जैसे वरिष्ठ नेता पोलित ब्यूरो से बाहर हो गये थे। केवल 79 वर्षीय केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को रणनीतिक कारणों से रखा गया है। पोलित ब्यूरो में 8 नए सदस्य शामिल हुए, वे हैं- त्रिपुरा विधानसभा में विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी, तमिलनाडु के पूर्व सीपीएम सचिव के. बालाकृष्णन व ट्रेड यूनियन नेता यू. वासुकी, सीकर (राजस्थान) के सांसद अमरा राम, श्रीदीप भट्टाचार्य (पश्चिम बंगाल), अखिल भारतीय किसान सभा के महासचिव विजू कृष्णन, अखिल भारतीय लोकतांत्रिक महिला संघ की महासचिव मरियम धावले और पूर्व छात्र नेता आर. अरुण कुमार।

येचुरी के मुकाबले बेबी को वैचारिकी के स्तर पर अनुदार नेता माना जाता है। छात्र राजनीति (स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया) से मुख्य धारा की राजनीति में आने वाले बेबी को आपातकाल में छात्रों व युवाओं को संगठित करने के कारण जेल भी जाना पड़ा था। वे केरल के शिक्षा मंत्री रहे तथा लोकसभा सदस्य भी रहे। वे ऐसे वक्त में पार्टी का यह अहम पद सम्हाल रहे हैं जब कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। ये चुनौतियां संगठनात्मक हैं तो वहीं विधानसभा-लोकसभा में घटता प्रतिनिधित्व भी। इसके साथ ही राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक मोर्चों पर उसका कम होता हस्तक्षेप भी दल के लिये चिंता का विषय है।

पिछले 11 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने जिस प्रकार से दक्षिणपंथी विचारधारा को देश भर में फैलाया है, उसका माकूल जवाब देने में वामपंथी दल लगातार नाकाम साबित हो रहे हैं। ऐसा केवल सीपीएम ही नहीं वरन देश के दूसरे बड़े साम्यवादी दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) के बारे में भी कहा जा सकता है। फिर, दोनों दलों के बीच एकता की आशा तो दूर, अब देखना होगा कि क्या तालमेल भी सम्भव है। जो वाम मोर्चा 2004 में बनी कांग्रेस प्रणीत यूपीए सरकार के दौरान मौजूद था, वह अब अस्तित्व में इसलिये भी नहीं है क्योंकि संसद में उसकी उपस्थिति क्षीण है। याद हो कि 2004 में इसे 44 सीटें मिली थीं। आज वह 4 पर सिमटी हुई है। इनमें भी तीन उसे सहयोगी दलों के सहयोग से हासिल हो सकीं। पश्चिम बंगाल में लगभग तीन दशक तक सरकार चलाने के बाद वहां तृणमूल कांग्रेस व भाजपा ने उसका पूर्ण सफाया कर रखा है। यहां उसका लोकसभा व विधानसभा में एक भी सदस्य नहीं है। त्रिपुरा में ईमानदारीपूर्वक काम करने के बावजूद 2023 में उसकी सरकार जाती रही। हालांकि वहां वह मुख्य विपक्षी दल है। उसका एक सदस्य यहां से लोकसभा में है। त्रिपुरा का चुनाव चाहे दूर हो लेकिन पश्चिम बंगाल का चुनाव अगले साल ही है। दोनों ही राज्यों में पार्टी को अपना संगठन मजबूत करते हुए चुनावी तैयारियां प्रारम्भ करनी होंगी। खासकर, प. बंगाल में पहले। बेबी के अपने गृह प्रदेश केरल में जरूर माकपा सरकार है लेकिन वहां कांग्रेस का जनाधार बढ़ रहा है। खासकर, वहां की वायनाड सीट से प्रियंका गांधी ने जैसी बड़े अंतर वाली जीत हासिल की, उससे साफ है कि यहां कांग्रेस की भी उसे चुनौती मिलेगी। यहां लेफ्ट डेमोक्रेटिक गठबन्धन की सरकार है जिसका नेतृत्व सीपीएम करती है। केरल में भी अगले वर्ष के मध्य में विधानसभा चुनाव हैं। सत्ता को बनाये रखना चुनौती है। यहां से भाजपा का एक सदस्य भी पिछले लोकसभा चुनाव में जीतकर आया है जो बताता है कि एक और नयी राजनीतिक शक्ति यहां उभर रही है जिसका आंशिक खतरा सीपीएम को है।

मदुरै सम्मेलन में तय किया गया है कि केरल के वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की ही तज पर वह अन्य जगहों पर सरकार बनाने की कोशिश करेगा। इसका अर्थ है कि कांग्रेस से उसका कोई चुनावी गठबन्धन होने से रहा। यह भी बड़ी चुनौती महासचिव के समक्ष होगी।

एक वक्त था जब छात्रों, असंगठित श्रमिकों, संगठित कर्मचारियों, किसानों, महिलाओं के बीच सीपीएम का बड़ा काम था। देश में भाजपा की मजबूती के साथ ये संगठन लगातार कमजोर पड़ते गये हैं। उनमें नये प्राण फूंकने तथा उनके जरिये राजनीतिक हस्तक्षेप को बढ़ाना बेबी के लिये नयी चुनौतियां होंगी। सीपीएम ही नहीं, इस दौर में विचारधारा के स्तर पर समग्र साम्यवाद के समक्ष सबसे बड़ी समस्या उसके खिलाफ दक्षिणपंथी दुष्प्रचार है। भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा कांग्रेस के साथ-साथ वामपंथी विचारधारा को सर्वाधिक बदनाम किया जाता है। आईटी सेल और वाट्सएप यूनिवर्सिटी की हर तीसरी-चौथी पोस्ट साम्यवादी विचारधारा के खिलाफ होती है। देश में समानता व धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ फैलाई गयी नफरत का शिकार बड़े पैमाने पर साम्यवादी विचारधारा ही हुई है।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी को अस्पताल से मिली छुट्टी

एजेंसी
कराची। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को ठीक होने के संकेत मिलने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उनके चिकित्सक डॉ. असीम हुसैन ने इसकी पुष्टि की। राष्ट्रपति जरदारी को पहली अप्रैल को तबीयत बिगड़ने के बाद कराची के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह 10 दिन से अधिक समय तक उपचाराधीन रहे। ईद-उल- फितर की रात चिकित्सा देखभाल के लिए जरदारी को नवाबशाह से कराची स्थानांतरित किया गया था। जियो न्यूज की खबर के अनुसार, डॉ. असीम ने कहा कि राष्ट्रपति की कोविड-19 के लिए किए गए रैपिड टेस्ट में रिपोर्ट निगेटिव आई है। उन्हें अस्पताल से आवास भेज दिया गया। समय-समय पर संक्रामक रोग विशेषज्ञ उनकी देखरेख करेंगे। डॉ. असीम ने मीडिया को बताया कि संक्रामक रोग विभाग के विशेषज्ञों ने दिन में तीन बार राष्ट्रपति आसिफ जरदारी की जांच की। राष्ट्रपति के बीमार पड़ने पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उनसे फोन पर बात कर उनके जल्द स्वस्थ होने की उम्मीद जताई थी।

पश्चिमी जापान में जंगलों में लगी आग बुझाई गयी

टोक्यो। जापान के पश्चिमी शहर ओकायामा में करीब तीन सप्ताह पहले लगी आग बुझा ली गयी है। सार्वजनिक प्रसारक एनएचके ने बताया कि पांच अप्रैल से कोई सक्रिय लपटें या हॉट स्पॉट नहीं मिलने के बाद शहर के अग्निशमन विभाग ने यह घोषणा की। रिपोर्ट में कहा गया है कि ओकायामा प्रान्त में दर्ज की गयी सबसे बड़ी जंगल की आग से पड़ोसी तामानो शहर के कुछ हिस्सों सहित लगभग 565 हेक्टेयर भूमि जल गयी थी और कम से कम छह घर तथा गोदाम नष्ट हो गये थे। अग्निशमन अधिकारियों ने 28 मार्च को घोषणा की कि आग पर काबू पा लिया गया है, जबकि शहर ने प्रभावित क्षेत्रों में हॉट स्पॉट की जांच करने के लिए जमीन पर हेलिकॉप्टर और अग्निशमन दल तैनात करना जारी रखा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा माना जा रहा है कि 23 मार्च को लगी जंगल की आग एक मजदूर ने लगायी थी। उसने पेड़ों को काट कर उनमें आग लगा दी थी। पुलिस घटना के कारण की जांच कर रही है। ओकायामा शहर आग से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए एक फील्ड अध्ययन करने की योजना बना रहा है।

पापुआ न्यू गिनी में 6.2 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी नहीं

सिडनी। पापुआ न्यू गिनी के कोकोपो से 114 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व में भूकंप के तेज झटके महसूस किये गये। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि अंतरराष्ट्रीय समयानुसार तड़के 0347 बजे आये इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.2 मापी गयी। भूकंप का केंद्र, 4.71 डिग्री दक्षिणी अक्षांश और 153.24 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 72.5 किमी की गहराई में था। अमेरिका सुनामी चेतावनी प्रणाली के अनुसार फिलहाल भूकंप के कारण सुनामी की कोई चेतावनी नहीं है। संयुक्त ऑस्ट्रेलियाई सुनामी चेतावनी केंद्र ने यह भी कहा कि वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया को प्रभावित करने वाली कोई सुनामी नहीं है। अधिकारियों द्वारा हताहतों या क्षति की तत्काल कोई रिपोर्ट जारी नहीं की गई।

रूस के कामचटका प्रायद्वीप पर ज्वालामुखी फटा, राख का गुबार 4,000 मीटर तक पहुँचा

व्लादिवोस्तोक। रूस के कामचटका प्रायद्वीप पर स्थित बेज़िमियानी ज्वालामुखी तड़के फट गया, जिससे 4,000 मीटर तक की ऊँचाई तक राख का गुबार आसमान में फैल गया।स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रूसी विज्ञान अकादमी की सुदूर पूर्वी शाखा के ज्वालामुखी विज्ञान और भूकंप विज्ञान संस्थान ने अपने टेलीग्राम चैनल के माध्यम से बताया कि राख का गुबार ज्वालामुखी के उत्तर-उत्तर-पूर्व में लगभग 90 किलोमीटर तक फैल गया, जिससे क्षेत्रीय हवाई यातायात के लिए संभावित खतरा पैदा हो गया। यह विस्फोट कई महीनों से बढ़ रही ज्वालामुखी गतिविधि के बाद हुआ है, जिसमें पिछले 24 घंटों में क्षेत्र में 180 से अधिक भूकंप दर्ज किए गए हैं। वैज्ञानिक स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहे है। यह विस्फोट 11 अप्रैल, 2023 को हुए शक्तिशाली विस्फोट के लगभग दो साल बाद हुआ है, जिसने उस्त-कामचत्स्की जिले में जीवन को बुरी तरह से बाधित कर दिया था। विशेषज्ञ अब चेतावनी दे रहे हैं कि मौजूदा विस्फोट और भी तीव्र हो सकता है, जिससे राख का उत्सर्जन समुद्र तल से 15,000 मीटर की ऊँचाई तक पहुँचने की संभावना है।

ढाका में बैशाख मंगल शोभायात्रा से पहले फूंका गया फासीवाद का मुखौटा, तनाव

एजेंसी
ढाका। यूनेस्को से अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्य 'बैशाख मंगल शोभायात्रा' निकलने से पहले फासीवाद का मुखौटा (प्रतीकात्मक चित्र) आगे के हवाले कर दिया गया। यह शोभायात्रा 14 अप्रैल को निकलनी थी। इससे ढाका विश्वविद्यालय में तनाव है। इसे ढाका विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय (चारुकोला) ने बनाया था।ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, ढाका यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर एसोसिएट प्रोफेसर सैफुद्दीन अहमद ने कहा कि यह घटना आज सुबह हुई। हालांकि, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि आग कैसे लगी। प्रॉक्टर ने बताया कि फासीवाद के मुखौटे के साथ कबूतर की तस्वीर भी जलाई गई। उन्होंने कहा कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि आग किसने लगाई। सीसीटीवी फुटेज की जांच करने की कोशिश की जा रही है। ललित कला संकाय

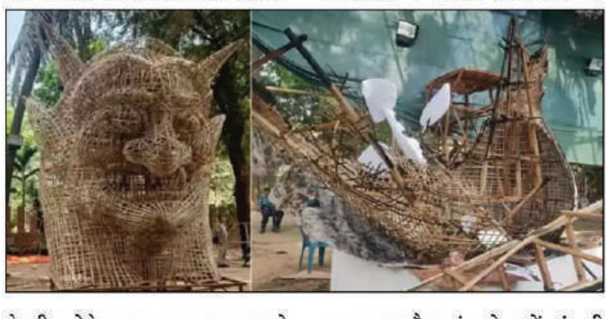

के डीन प्रोफेसर अजहरुल इस्लाम ने कहा कि यह पता लगाने के लिए कुछ समय चाहिए कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है। घटना की जांच के लिए समिति का गठन किया जाएगा। सीसीटीवी फुटेज प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बैशाख मंगल शोभायात्रा को बांग्लादेश में मंगोल शोभायात्रा भी कहा जाता है। बांग्लादेश में बंगाली नव वर्ष (पहला बैशाख) के अवसर पर ढाका विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय के शिक्षकों और छात्रों के तत्वावधान में पारंपरिक शोभायात्रा निकाली जाती है। यूनेस्को ने इस शोभायात्रा को 2016 में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता दी गई है। इसमें सभी धर्मों और जातियों के लोग बड़ी संख्या में हिस्सा लेते हैं। शोभायात्रा में पारंपरिक कला, नृत्य, संगीत और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया जाता है। यूनेस्को की बेवसाइट पर उपलब्ध विवरण के अनुसार, 14 अप्रैल को होने वाली मंगल शोभायात्रा की परंपरा 1989 में शुरू हुई थी। सैन्य शासन से निराश छात्र समुदाय बेहतर भविष्य की उम्मीद के इसका आयोजन किया था। ललित कला संकाय के सदस्य शोभायात्रा से एक महीने पहले मिलकर मुखौटे (बुरी शक्तियों को दूर भगाने और प्रगति की अनुमति देने के लिए) और झांकियां बनाते हैं।

पाकिस्तान में 5.5 तीव्रता का भूकंप, इस्लामाबाद से खैबर पख्तूनख्वा तक कांपी धरती

एजेंसी
इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कई शहरों में दोपहर भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए। राजधानी इस्लामाबाद से खैबर पख्तूनख्वा तक इसका प्रभाव दिखा। इससे नागरिकों में दहशत और चिंता फैल गई। लोग घरों से बाहर निकल आए। द न्यूज इंटरनेशनल के अनुसार, शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, समूचे अटक और चकवाल में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर, मर्दन, मोहमंद और शबकदर में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। हालांकि, किसी भी प्रभावित क्षेत्र से अभी तक किसी के हताहत होने या नुकसान की रिपोर्ट नहीं मिली। पाकिस्तान के राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र के अनुसार, भूकंप दोपहर 12:31 बजे आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.5 दर्ज की गई। इसकी गहराई 12 किलोमीटर थी। भूकंप का केंद्र रावलपिंडी से 60 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में, अक्षांश 33.90 उत्तर

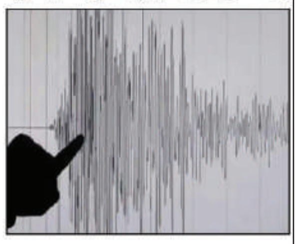

और देशांतर 72.66 पूर्व पर स्थित था। इस्लामाबाद के एक व्यक्ति ने कहा कि सेक्टर एफ-11 में उसकी इमारत बायीं और दायीं ओर झुक गई। सेक्टर के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।

नेपाल ने भूकंप प्रभावित म्यांमार को भेजी 27 टन राहत सामग्री

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल सरकार ने भूकंप प्रभावित म्यांमार को 27 टन राहत सामग्री भेजी है। नेपाल के अधिकारियों ने सुबह यांगून अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर म्यांमार के अधिकारियों को राहत सामग्री सौंपी। विदेश मंत्रालय में दक्षिण पूर्व एशिया के प्रमुख संयुक्त सचिव तपस अधिकारी ने यह जानकारी दी। राहत सामग्री में खाद्य पदार्थ, दैनिक उपयोगी वस्तुए और दवाएं शामिल हैं। यांगून एयरपोर्ट पर नेपाली राजदूत हरीश चंद्र घिमिरे और म्यांमार के अधिकारी इस दौरान उपस्थित थे। आने वाले दिनों में नेपाल की तरफ से और किस तरह से सहयोग किया जा सकता है इसको लेकर दोनों देशों के अधिकारियों के बीच संक्षिप्त चर्चा भी हुई। इस दौरान नेपाल के एक अधिकारी ने याद दिलाया कि म्यांमार सरकार ने 2015 के भूकंप के दौरान नेपाल की भी सहायता की थी। म्यांमार के एक अधिकारी हेउ वाई

लविन ने बताया कि भूकंप में अब तक 3,590 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 4,800 घायल हो गए हैं और 148 लापता हैं। नेपाली राजदूत घिमिरे ने बताया कि म्यांमार में लगभग 150,000 नेपाली काम कर रहे हैं और उनमें से 18 भूकंप में मारे गए थे। इस आपदा में करीब 15 नेपाली अभी भी लापता हैं। 28 मार्च को 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था।

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह को तलब कर संसदीय समिति से हिदायत देने की सांसदों की मांग

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल में राजशाही समर्थकों के प्रदर्शन के दौरान 28 मार्च को हुई हिंसक घटना पर चर्चा के लिए पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह को संसदीय समिति के समक्ष बुलाने की मांग की गई है। संसद की विधि, न्याय एवं मानवाधिकार समिति की बैठक में नेपाली कांग्रेस और सीपीएन (यूएमएल) के कुछ सांसदों ने इसकी मांग की है। सांसदों ने कहा कि पूर्व राजा को चर्चा के साथ ही हिदायत देने के लिए संसदीय समिति के समक्ष बुलाना जरूरी है। गृहमंत्री रमेश लेखक की उपस्थिति में शनिवार को हुई बैठक में सत्तारूढ़ दल के सांसदों ने इस बात पर जोर दिया कि 28 मार्च की हिंसक घटना की गहन जांच के लिए पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह को भी तलब किया जाना चाहिए। नेपाली कांग्रेस के सांसद और संयुक्त महासचिव जीवन परियार ने कहा कि पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह को हिंसा की घटना में उनकी संलिप्तता के बारे में पूछताछ के लिए बुलाया जाना चाहिए। नेपाली कांग्रेस की सांसद नगीना यादव ने कहा कि पूर्व राजा को बुलाकर 28 मार्च की घटना से उनके संबंध और इस प्रदर्शन के लिए उन्होंने

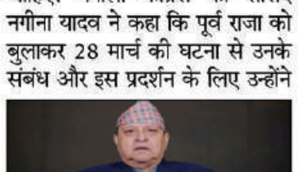

निर्देश दिया या नहीं, यह पूछना जरूरी है। नगीना यादव ने कहा कि यह मानवाधिकारों का उल्लंघन है या नहीं, क्या एक नागरिक के तौर पर पूर्व राजा को ऐसा करने की अनुमति है? सीपीएन (यूएमएल) की सांसद नैनकला थापा ने कहा कि संविधान की नजर में सभी नागरिकों को समान मानवाधिकार प्राप्त हैं। किसी को भी अराजकता और अमानवीय व्यवहार में लिप्त होने का अधिकार नहीं है। संविधान की नजर में सभी समान हैं। पूर्व राजा के मानवाधिकार सामान्य जनता के समान ही हैं, इससे अधिक कुछ नहीं, इसलिए उन्हें किसी भी बहाने से छूट नहीं देनी चाहिए। सीपीएन (यूएमएल) की मुख्य सचेतक महेश बरतौला ने 28 मार्च की हिंसक घटना में निष्पक्ष जांच की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेन्द्र शाह तिनकुने घटना में शामिल थे और उन्हें इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। राजशाही के पक्ष में हुए प्रदर्शन में 2 लोगों की मौत हो गई थी।बैठक में राजा समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के सांसद ध्रुव बहादुर प्रधान ने आरोप लगाया कि 28 मार्च की तिनकुने की घटना को राज्य द्वारा जानबूझकर दबाया गया। सरकार घटना की निष्पक्ष जांच करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय लीपापोती की दिशा में आगे बढ़ रही है। प्रधान ने सरकारी पक्ष पर भीड़ को उकसाने, बिना वजह प्रदर्शनकारियों की भीड़ पर सैकड़ों राउंड फायरिंग करने का आरोप लगाया।

व्हाइट हाउस की सजावट में बदलाव, ओबामा की फोटो के स्थान पर ट्रंप की लगाई गई

एजेंसी
वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस की सजावट (डेकोरेशन) में अप्रत्याशित बदलाव किया गया है। इसके तहत पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की आधिकारिक तस्वीर को हटा दिया गया है। इस स्थान पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पिछले साल वायरल हुई फोटो को लगाया गया है। व्हाइट हाउस ने अपने आधिकारिक अकाउंट में इस बदलाव को साझा किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल जुलाई में पेंसिल्वेनिया के बटलर काउंटी के मैदान में एक रैली के दौरान डोनाल्ड ट्रंप पर गोलीबारी की गई थी। इस हमले में ट्रंप के कान को छूते हुए गोली निकल गई थी। इसके बाद ट्रंप की एक फोटो दुनियाभर में वायरल हुई थी। इसमें ट्रंप मुट्ठी बांधकर मजबूती से लड़ने

का इशारा करते हैं। यही फोटो व्हाइट हाउस में लगाई गई है। ओबामा का फोटो 2022 में व्हाइट हाउस के स्टेट फ्लोर के फोयर में सीढ़ियों के पास लगाया गया था। अब उसे सामने की दूसरी दीवार में शिफ्ट किया गया है। यहां पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश का फोटो लगा था। बुश के फोटो को शिफ्ट कर उनके पिता जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश की तस्वीर के पास लगाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 2022 में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनकी पत्नी जिल बाइडेन ने ओबामा की तस्वीर के अनावरण के लिए व्हाइट हाउस में पूर्व राष्ट्रपति ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल की मेजबानी की थी। इससे पहले डेमोक्रेट बिल क्लिंटन ने रिपब्लिकन जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश और राष्ट्रपति बुश ने क्लिंटन की मेजबानी की थी।ओबामा ने 2012 में बुश के आधिकारिक चित्र के अनावरण के लिए व्हाइट हाउस में जॉर्ज डब्ल्यू बुश और उनकी पत्नी लॉरा का स्वागत किया था। मगर ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान ओबामा की मेजबानी नहीं की थी।

व्हाइट हाउस की परंपरा के मुताबिक हाल ही के दो राष्ट्रपतियों के फोटो फोयर में लगे होते हैं। डोनाल्ड ट्रंप की नई तस्वीर व्हाइट हाउस ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा की। खास बात यह है कि डोनाल्ड ट्रंप की फोटो को बिना किसी पूर्व सूचना के लगाया गया है। ट्रंप वर्तमान और पूर्व राष्ट्रपति दोनों हैं।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ चिकित्सा जांच कराने लंदन पहुंचे

एजेंसी
लंदन। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ कल लंदन पहुंचे। बेलारूस की यात्रा पूरी कर लंदन पहुंचे शहबाज के दो दिन रुकने की योजना है। उनके बड़े भाई पीएमएल-एन अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ दो सप्ताह के लिए ब्रिटेन की राजधानी पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री शहबाज देर शाम ल्यूटन हवाई अड्डे पर उतरे। शहबाज का आज लंदन में स्वास्थ्य परीक्षण होना है। द न्यूज इंटरनेशनल के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ रविवार रात इस्लामाबाद में प्रवासी पाकिस्तानी सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए स्वदेश वापस लौटेंगे। पीएमएल-एन के सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री आज चिकित्सा जांच के लिए जाएंगे और रविवार को उनकी दो बैठकें होंगी। वे कई वर्षों से लंदन में स्वास्थ्य जांच से गुजर रहे हैं। स्वदेश रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री एवेन फील्ड फ्लैट्स में अपने बड़े भाई नवाज से मिलेंगे। प्रधानमंत्री शहबाज ने कहा कि बेलारूस ने पूर्वी यूरोपीय राष्ट्र में राष्ट्र

निर्माण प्रयासों में योगदान देने के लिए 150,000 से अधिक युवा, अत्यधिक कुशल पाकिस्तानी श्रमिकों को आमंत्रित करने के लिए उदार प्रस्ताव दिया है।

अमेरिका में 24 घंटे में दूसरा विमान हादसा, फ्लोरिडा में छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त, तीन की मौत

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका में 24 घंटे के अंदर दूसरा विमान हादसा हुआ है। न्यूयॉर्क के बाद फ्लोरिडा में एक छोटे विमान (सेसना 310 आर) के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार सभी तीन लोगों की मौत हो गई। न्यूयॉर्क के विमान हादसे में छह लोगों की मौत हो गई थी। स्थानीय अधिकारियों और अमेरिका संघीय उड्डयन प्रशासन के अनुसार, यह हादसा सुबह फ्लोरिडा के बोका रैटन में हुआ।एबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, बोका फायर रेस्क्यू के सहायक अग्निशमन प्रमुख माइकल लासेल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विमान में स्पष्ट रूप से कुछ यांत्रिक समस्याएं थीं और यह मिलिट्री ट्रेल पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। आसमान से गिरने पर यह सबसे पहले कार से टकराया। इसके बाद

उसमें आग लग गई। आग के कारण वह पेड़ से टकरा गया। अमेरिका संघीय उड्डयन प्रशासन ने कहा कि सेसना 310 आर ने सुबह 10=15 बजे बोका रैटन हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। यह टल्हासी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहा था। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के विमानन दुर्घटना जांचकर्ता कर्ट गिब्सन के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले यह लगभग आठ से 10 मिनट तक हवा में रहा। बोका रैटन के मेयर स्कॉट सिंगर ने कहा, 'हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ित परिवारों और सभी प्रभावितों के साथ हैं।' बताया गया है कि सड़क पर छोटा विमान जिस कार से टकराया, उसमें मौजूद एक व्यक्ति घायल हो गया। टक्कर के बाद कार रेलवे ट्रैक पर पहुंच गई। इस कारण रेलवे मार्ग को भी रोकना पड़ा। हादसे के बाद बोका रैटन एयरपोर्ट के पास कई सड़कें बंद कर दी गईं। इससे पहले गुरुवार को न्यूयॉर्क में एक टूरिस्ट हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया था। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। इस हादसे में दिग्गज टेक कंपनी सीमेंस के सीईओ अगस्टिन एस्कोबार और उनका पूरा परिवार मारा गया।

सुप्रीम कोर्ट कहेगा तो अब्रेगो गार्सिया को अल साल्वाडोर की जेल से अमेरिका लाया जाएगा : ट्रंप

एजेंसी
वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एयर फोर्स वन पर पत्रकारों से बातचीत में अपने फैसले पर बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट कहेगा तो वह किल्मर अब्रेगो गार्सिया को अमेरिका वापस लाएंगे। उनके मन में सुप्रीम कोर्ट के लिए बहुत सम्मान है। ट्रंप का यह बयान सुप्रीम कोर्ट की कल की टिप्पणी के बाद आया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि ट्रंप प्रशासन को अब्रेगो गार्सिया को वापस लाने में सुविधा प्रदान करनी चाहिए, क्योंकि प्रशासन ने स्वीकार किया है कि उसने गलती से गार्सिया को अल साल्वाडोर की जेल में निर्वासित कर दिया था। एनबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन से कहा था कि वह इस संबंध में अपने आगामी कदमों की जानकारी दे। ट्रंप ने आज रात एयर फोर्स वन में कहा कि वह निचली अदालत के आदेशों का पालन करने के लिए

बाध्य नहीं होंगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, मैं निचली अदालत की बात नहीं कर रहा हूं, मैं सुप्रीम कोर्ट का बहुत सम्मान करता हूं। अगर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसे वापस लाया जाए, तो मैं शीर्ष अदालत के फैसले को स्वीकार करूंगा। उल्लेखनीय है कि एब्रेगो गार्सिया को पिछले महीने अल साल्वाडोर की एक कुख्यात मेगाजेल में उन लोगों के साथ भेजा गया था, जिनके बारे में प्रशासन का दावा है कि वे वेनेजुएला के गिरोह के सदस्य हैं। उनके वकीलों ने कहा है कि मूल रूप से अल साल्वाडोर के रहने वाले एब्रेगो गार्सिया अमेरिका में वैधानिक रूप रह रहे थे और गिरोह की हिंसा से बचने के लिए उन्होंने अपना देश छोड़ दिया था।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी के छात्र खलील के निर्वासन को कोर्ट की हरी झंडी

एजेंसी
वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन फिलिस्तीन समर्थक कोलंबिया यूनिवर्सिटी के स्नातक छात्र महमूद खलील को निर्वासित कर सकता है। लुइसियाना के इमिग्रेशन जज जेमी कोमन्स यह फैसला सुनाया। जज ने

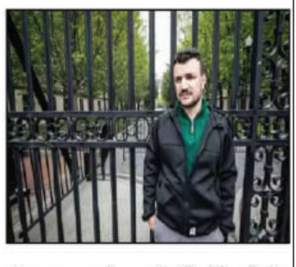

ट्रंप प्रशासन के तर्क की पुष्टि की कि खलील के विचार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। एनबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, महमूद खलील को पिछले महीने गिरफ्तार किया था। इसके बाद अमेरिका में आक्रोश भड़क गया था। जज जेमी कोमन्स ने कहा कि अदालत निष्कासन के फैसले को बरकरार रखेगी। 30 वर्षीय खलील 23 अप्रैल तक संयुक्त राज्य अमेरिका में रह सकता है। इससे पहले न्यू जर्सी के एक संघीय जज ने खलील के निर्वासन पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। खलील के वकील मार्क वैन डेर हाउट ने कहा कि हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

सूडान में हर तीन में से दो को मदद की जरुरत, पीछे हट रहे दानदाता : यूएन

एजेंसी
जिनेवा । संयुक्त राष्ट्र (यूएन) एजेंसियों ने सूडान में मानवीय संकट के बेहद गंभीर होने को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि देश में अकाल फैल रहा है और हिंसक टकराव जारी है जिसमें सभी आयु वर्ग के नागरिकों को बलात्कार समेत अन्य दुर्व्यवहारो का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दानदाता अब पीछे हट रहे हैं। आपात सहायता मामलों के लिए यूएन कार्यालय के प्रवक्ता येन्स लार्क ने शुक्रवार को बताया कि शान्ति हासिल होती नजर नहीं आ रही है, जबकि सूडानी नागरिक इस विशाल मानवीय संकट में फंसे हुए हैं। लार्क ने कहा, हर तीन में से दो लोगों को मदद की जरुरत है, यानि तीन करोड़ लोग...इसके लिए व्यापक स्तर पर अन्तरराष्ट्रीय समर्थन की आवश्यकता है लेकिन हम दुनिया भर के दानदाताओं को अपने कदम पीछे हटाते देख रहे हैं।

विश्व खाद्य कार्यक्रम ने अकाल

का सामना कर रहे 2.5 करोड़ सूडानी नागरिकों के हालात पर गहरी चिन्ता जताई है। सूडान के लिए यूएन एजेंसी की संचार अधिकारी लेनी किन्ज़ली ने बताया कि दो वर्षों से जारी युद्ध की वजह से सूडान में विश्व की सबसे बड़ी भूख आपदा पैदा हो गई है और अकाल फैल रहा है। पूर्व राष्ट्रपति उमर अल-बशीर की सत्ता से बेदखली के बाद देश में नागरिक शासन को बहाल किए जाने पर उभरे मतभेदों के बाद, 15 अप्रैल 2023 को सूडान की सशस्त्र सेना और अर्द्धसैनिक बल (आरएसएफ) के बीच हिंसक संघर्ष

भीषण लड़ाई में देश के अनेक हिस्सों में शहरों को भारी नुकसान हुआ और हजारों आम नागरिक हताहत हुए। कम से कम 1.24 करोड़ लोग बेघर हो गए, जिनमें 33 लाख ने अन्य देशों में शरण ली।

पिछले दो वर्षों में स्वास्थ्य केन्द्रों पर 156 हमलों की पुष्टि हुई है, जिनमें 300 से अधिक लोगों की जान गई है और स्वास्थ्य देखभालकर्मियों व मरीजों समेत 270 घायल हुए हैं।

महिला सशक्तिकरण के लिए यूएन संस्था के अनुसार, हिंसक टकराव से ग्रस्त इलाकों में 80 फीसदी अस्पतालों में कामकाज ठप है, और मातृत्व मौतों में चिन्ताजनक वृद्धि हो रही है। सूडान में हर 10 में से आठ विस्थापित महिलाओं व लड़कियों की स्वच्छ जल तक पहुंच नहीं है।

आशी और अभ्युदय ने जीते खिताब

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की आशी शमशेरी और अभ्युदय ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए डा. केएल गर्ग मेमोरियल आइटा सीएस-7 (अंडर-18) टेनिस टूर्नामेंट में क्रमशः बालिका और बालक वर्ग के खिताब अपने नाम कर लिए। बालिका वर्ग के फाइनल में दूसरी वरीय आशी शमशेरी ने उत्तर प्रदेश की ही सिद्धि सिंह को 6-3, 6-2 से हराकर खिताब जीता। पूरे मैच में आशी ने शानदार कोर्ट कवरेज का नजारा पेश किया और सटीक शॉट्स लगाए और अपने बेहतरीन खेल से जीत सुनिश्चित की। वहीं बालक वर्ग में अभ्युदय ने तेजतर्रार सर्विस करने के साथ दमदार फोरहैंड और बैक हैंड शॉट खेलते हुए खिताबी जीत दर्ज की। उन्होंने फाइनल मुकाबले में महत्वपूर्ण अंक हासिल करते हुए दबाव बनाया और उत्तर प्रदेश के अनुरुद्ध को 6-1, 6-2 से मात दी।

पाकिस्तान की महिला टीम ने स्कॉटलैंड को छह विकेट से हराया

लाहौर। फातिमा सना (चार विकेट) और सादिया इकबाल (दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद मुनीबा अली (71) और आलिया रियाज (नाबाद 68) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत पाकिस्तान की महिला टीम ने शुक्रवार को आईसीसी महिला विश्वकप क्वालीफायर के चौथे मुकाबले में स्कॉटलैंड को आठ गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। बारिश के कारण मैच को 32-32 ओवरों का कर दिया गया था।187रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 36 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी आलिया रियाज ने मुनीबा अली के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 93 रनों की साझेदारी हुई। 24वें ओवर में क्लो एबेल ने मुनीबा अली को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। मुनीबा अली ने 72 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए (71) रन बनाये। इसके बाद कप्तान फतीमा सना (सात) रन बनाकर आउट हुई। आलिया रियाज ने 70 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 68 रन बनाये। पाकिस्तान ने 30.4 ओवर में चार विकेट पर 190 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया।इससे पहले आज यहां पाकिस्तान की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे 17 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी कप्तान कैथरीन ब्राइस ने सारा ब्राइस के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। सारा ब्राइस (21) रन बनाकर आउट हुई।

घरेलू मैदान पर जीत के क्रम को जारी रखने उतरेगी दिल्ली

नयी दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स रविवार शाम जहां राजधानी के अरुण जेटली स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग के 29वें मैच में अपने जीत के क्रम को जारी रखने मैदान में उतरेगी वहीं मुंबई इंडियंस को लगातार दो हार के बाद जीत के लिए भिड़ेगी। दिल्ली कैपिटल्स इस सत्र में चार मैचों में आठ अंक के साथ अजेय है और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है जोकि उसके आत्मविश्वास को दर्शाता है। वहीं इसके विपरीत, मुंबई की टीम पांच मैचों में केवल एक जीत के साथ तालिका में आठवें स्थान पर और जीत हासिल करने के संघर्ष करती दिख रही है। दिल्ली की शानदार शुरुआत के पीछे केएल राहुल का फॉर्म है, जो उनकी बल्लेबाजी लाइनअप की धुरी बनकर उभरे हैं। स्टाइलिश दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने न केवल शीर्ष पर रहने की काबलियत है, बल्कि जरूरत पड़ने पर आक्रामक की भूमिका निभाने की क्षमता है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर छह विकेट की शानदार जीत के साथ दिल्ली के पिछले मैच में 53 गेंदों पर उनकी नाबाद 93 रन की पारी दबाव में लक्ष्य का पीछा करने की उनकी दक्षता को दर्शाता है। 58 रन पर 4 विकेट गंवाने के बाद राहुल ने ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 38) के साथ 111 रनों की मैच जिताऊ साझेदारी की। 169.72 की शानदार स्ट्राइक रेट से तीन पारियों में 185 रन बनाने वाले राहुल की मौजूदगी दिल्ली की बल्लेबाजी की मजबूत कड़ी है। इस बल्लेबाज ने जरूरत पड़ने पर संतुलित और मौका मिलने पर विस्फोटक बल्लेबाजी की है। इस बीच, स्टब्स मध्यक्रम में एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं, जो स्ट्राइक रोटेट करते हैं और खराब गेंदों का भरपूर फायदा उठाते हैं।

मुझे इस बात पर एक प्रतिशत भी शर्म नहीं आती कि मैं अंग्रेजी नहीं बोल सकता : मोहम्मद रिजवान

नई दिल्ली। मुल्तान सुल्तान्स के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने अपनी इंग्लिश पर आलोचनाओं का जवाब देते हुए कहा कि उनका प्राथमिक कर्तव्य पाकिस्तान के लिए क्रिकेट खेलना है। पाकिस्तान को आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और उसके बाद न्यूजीलैंड के व्हाइट-बॉल दौरा बुरे सपने से कम नहीं रहा जिसमें टीम को करारी हार मिली। यह मामला तब शुरू हुआ जब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ब्रैड हॉग ने वीडियो शेयर किया जिसमें रिजवान जैसे दिखने वाले एक व्यक्ति से बात की। वह व्यक्ति मजाकिया अंदाज में जवाब देता है, 'मैं और विराट एक जैसे हैं। वह पानी पीता है, मैं पानी पीता हूं। हम दोनों एक जैसे हैं, कोई अंतर नहीं है।' हॉग द्वारा रिजवान की अंग्रेजी कौशल की प्रशंसा करने से पहले वह व्यक्ति यह भी कहता है, 'जीतना है या सीखना है।'

मोंटे कार्लो मास्टर्सः कार्लोस अल्कराज सेमीफाइनल में, स्टेफानोस सितसिपास बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्कराज ने मोंटे कार्लो मास्टर्स के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने स्थानीय खिलाड़ी आर्थर फिस को 4-6, 7-5, 6-3 से हराया। यह मुकाबला करीब ढाई घंटे चला, जिसमें दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। फिस ने शुरुआत में दो ब्रेक लेकर 3-0 की बढ़त बनाई थी, लेकिन अनुभव ने अंत में अल्कराज को जीत दिलाई।

पहला सेट फिस ने 6-4 से जीता और दूसरे सेट में भी उनके पास कई ब्रेक पॉइंट्स थे, लेकिन वो उन्हें भुना नहीं सके। फिस ने दूसरे सेट में सात ब्रेक पॉइंट गंवाए, वहीं अल्कराज ने 12वें गेम में शानदार लॉब लगाकर सेट अपने नाम किया। तीसरे सेट में भी फिस ने शुरुआती बढ़त ली, लेकिन अल्कराज ने धैर्य

नहीं खोया और वापसी कर दो बार सर्विस ब्रेक की। तीसरे सेट के आठवें गेम में सर्विस गंवाने के बाद फिस ने गुस्से में अपना रैकेट तोड़ दिया। यह पल निर्णायक साबित हुआ क्योंकि इसके बाद वे लय में नहीं लौट सके और अल्कराज ने आसानी से मैच खत्म कर दिया।जीत के बाद अल्कराज ने कहा, ÷सच्चे चैंपियन वही होते हैं जो ज़रूरत के समय अपना सर्वश्रेष्ठ स्तर पा लेते हैं। मैं भी चाहता हूं कि पहले से आखिरी पॉइंट तक बेस्ट टेनिस खेलूं, लेकिन ढाई घंटे तक लगातार टॉप लेवल पर खेलना आसान नहीं होता। दूसरी ओर, चौथी बार के चैंपियन स्टेफानोस सितसिपास को इटली के लोरेंजो मुसैती ने 1-6, 6-3, 6-4 से हराकर बाहर कर दिया। मुसैती अब ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर से भिड़ेंगे, जिन्होंने ग्रिगोर दिमित्रोव को महज 44 मिनट में 6-0, 6-0 से हराया। दिमित्रोव ने मैच में 23 अनफोर्स्ड एरर्स किए। अब सेमीफाइनल में कार्लोस अल्कराज का सामना अलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना से होगा।

वेस्टइंडीज की महिला टीम ने आयरलैंड को छह रन से हराया

एजेंसी

लाहौर । चिनेल हेनरी (नाबाद 46), स्टेफनी टेलर (46) और जैदा जेम्स (36) रनों की पारियों के बाद हैली मैथ्यूज (चार विकेट), करिश्मा रामहेक और आलियाह एलीने (दो-दो विकेट) की बदौलत वेस्टइंडीज की महिला टीम ने आईसीसी महिला विश्वकप क्वालीफायर के पांचवें मुकाबले में आयरलैंड को छह रन से हरा दिया। बारिश के कारण मैच को 33-33 ओवरों का कर दिया गया था। वेस्टइंडीज के 181 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड के बल्लेबाज वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सके। आयरलैंड के लिए एमी हंटर ने 46 गेंदों में (48), लौरा डेलानी (32), क्रिस्टीना कोल्टर रीली (26), अर्लीन केली (18) और कप्तान गैबी लुईस ने (17) रनों की पारी खेली। एक समय ऐसा लगा रहा था कि आयरलैंड यह मुकाबला आसानी से जीत लेगा। 33वें ओवर की दूसरी गेंद पर हैली मैथ्यूज ने अर्लीन केली को आउटकर आयरलैंड के हाथों से जीत छीन ली वेस्टइंडीज की ओर से हैली मैथ्यूज ने चार विकेट, करिश्मा रामहेक और आलियाह एलीने ने दो-दो विकेट लिये। एफी फ्लैचर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। आज यहां आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 29 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। इसके बाद जैदा जेम्स और स्टेफनी टेलर ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट लिए 87 रनों की साझेदारी हुई। 24वें ओवर में जेन मगुइरे ने स्टेफनी टेलर को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। टेलर ने 56 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 46 रन बनाये।

फ्रीस्टाइल चेस ग्रैंड स्लैम टूरः कार्लसन और कारुआना के बीच जबरदस्त मुकाबला, 67 चालों के बाद ड्रॉ

एजेंसी

नई दिल्ली। फ्रीस्टाइल चेस ग्रैंड स्लैम टूर के सेमीफाइनल के पहले चरण में मैग्नस कार्लसन और फेबियानो कारुआना के बीच एक बेहद रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। यह खेल 67 चालों तक चला और अंत में सिर्फ दोनों खिलाड़ियों के राजा ही बोर्ड पर बचे, जिससे मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ। सफेद मोहरों से खेलते हुए कारुआना ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। उन्होंने नाइट और बिशप को तेजी से एक्टिव किया, लेकिन कार्लसन ने शांत और संतुलित अंदाज़ में उनका दबाव झेला। उन्होंने अपनी क्वीन का शानदार उपयोग करते हुए कारुआना की बढ़त को रोक दिया।

क्वीन एक्सचेंज के बाद रणनीतिक जंगः 18वीं चाल तक दोनों खिलाड़ियों ने अपनी रानियां एक्सचेंज कर दी थीं, जिससे खेल रणनीतिक मोड़ पर आ गया। इसके बाद का खेल बेहद संतुलित रहा, जहां दोनों ग्रैंडमास्टर्स ने बारीकी से हर चाल चली।

अंत तक चला संघर्ष, घड़ी ने भी बढ़ाया रोमांचः 67वीं चाल में कारुआना ने आखिरी प्यादा भी हटा दिया, लेकिन तब तक सिर्फ राजा ही बचे थे। इस वक्त कारुआना की घड़ी में सिर्फ 10 मिनट बचे थे, जबकि कार्लसन के पास आधे घंटे से भी ज्यादा समय था।

नकामुरा और कीमर का मुकाबला रहा फीका

दूसरे सेमीफाइनल में हिकारू नकामुरा और विंसेंट कीमर के बीच खेल उतना रोमांचक नहीं रहा। यह मुकाबला मात्र 40 चालों में समाप्त हो गया। हालांकि बोर्ड पर कई मोहरे बचे थे, लेकिन दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती क्वीन एक्सचेंज के बाद कोई बड़ा जोखिम नहीं उठाया और ड्रॉ पर सहमति बना ली। ऐसा माना जा रहा है कि दोनों ने अगली बाज़ी के लिए ऊर्जा बचाने की रणनीति अपनाई।

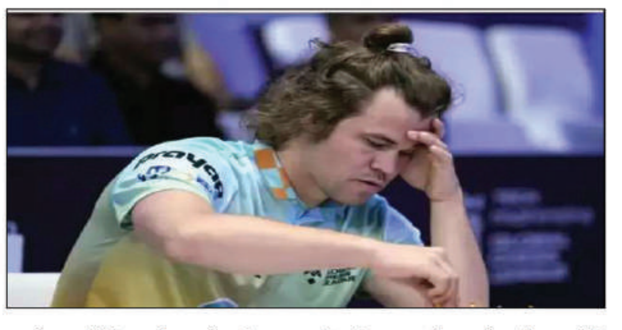

दूसरे चरण के मुकाबले आजः सेमीफाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले आज (12 अप्रैल) खेले जाएंगे, जहां सभी खिलाड़ी फाइनल में पहुंचने के लिए पूरी ताकत झोंकते नज़र आएंगे।

मोहम्मद सालाह ने लिवरपूल के साथ दो साल का करार बढ़ाया, अटकलों पर लगा विराम

एजेंसी

नई दिल्ली। लिवरपूल के स्टार फॉरवर्ड मोहम्मद सालाह ने अपने भविष्य को लेकर महीनों से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए क्लब के साथ दो साल का नया करार कर लिया है। 32 वर्षीय मिस्र के स?टार खिलाड़ी सालाह का अनुबंध इस साल जून में खत्म होने वाला था, जिसके बाद वह फ्री एजेंट बन सकते थे। लेकिन अब वह 2027 तक लिवरपूल की जर्सी में नजर आएंगे। सालाह 2017 में इटली के क्लब एएस रोमा से लिवरपूल में शामिल हुए थे। अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बाद सालाह ने कहा, बिलकुल, मैं बेहद उत्साहित हूं। हमारे पास इस समय शानदार टीम है। पहले भी टीम मजबूत थी, लेकिन मैंने साइन इसलिए किया क?योंकि मुझे लगता है हम और ट्रॉफी जीत सकते हैं और फुटबॉल का आनंद ले सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैंने अपने करियर के सबसे अच्छे साल यहां बिताए हैं। आठ साल हो गए हैं, और उम्मीद है कि अब यह 10 साल पूरे होंगे। मैं यहां की जिंदगी और फुटबॉल का पूरा मजा ले रहा हूं। सालाह लिवरपूल के ऑल-टाइम टॉप स्कोरर लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने अब तक 394 मैचों में 243 गोल किए हैं। अपने आठ साल के सफर में वह

एक प्रीमियर लीग, एक चैंपियंस लीग, एक एफए कप, दो लीग कप, एक यूएफा सुपर कप और एक फीफा क्लब वर्ल्ड कप जीत चुके हैं। वह प्रीमियर लीग गोल्डन बूट की दौड़ में 27 गोल के साथ सबसे आगे हैं। उनकी दमदार फॉर्म की बदौलत लिवरपूल ने दूसरे स्थान पर काबिज आर्सेनल पर 11 अंकों की बढ़त बना ली है और खिताब की प्रबल दावेदार बन गई है। ब्रिटिश मीडिया के मुताबिक, क्लब और सालाह के बीच लंबे समय से चल रही बातचीत में हाल ही में बड़ी प्रगति हुई थी। इस दौरान ऐसी खबरें भी आई थीं कि सऊदी प्रो लीग से उन्हें बड़े ऑफर मिल रहे हैं। हालांकि, सालाह को क्लब की निरंतर सफलता के लिए अहम माना जा रहा है। उधर, क्लब के कप्तान वर्जिल वैन डाइक के अनुबंध में भी विस्तार की उम्मीद है, जबकि डिफेंडर ट्रेंट एलेक्जेंडर-अर्नोल्ड को रियल मैड्रिड से जोड़ा जा रहा है।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2025: क्वार्टर फाइनल में ध्रुव-तनिशा की हार के साथ भारतीय चुनौती समाप्त

एजेंसी

नई दिल्ली। बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2025 में भारत की आखिरी उम्मीद भी खत्म हो गई, जब मिश्रित युगल वर्ग में ध्रुव कपिला और तनिशा क्रास्टो की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में हार गई। इस हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती का अंत हो गया।

विश्व नंबर 18 रैंकिंग वाली भारतीय जोड़ी को हांगकांग, चीन की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी तांग चुन मैन और त्से यिंग सूएट के हाथों 41 मिनट में 20-22, 13-21 से हार झेलनी पड़ी। पहले गेम में ध्रुव-तनिशा की जोड़ी ने जबरदस्त शुरुआत करते हुए 8-0 की बढ़त

बनाई। हालांकि, इसके बाद हांगकांग की जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 10-10 से बराबर कर लिया। गेम के अंत तक दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला रहा, लेकिन 19-19 के स्कोर के बाद तांग और त्से ने दूसरा गेम पॉइंट भुनाते हुए पहला गेम अपने नाम किया।

दूसरे गेम की शुरुआत में भारतीय जोड़ी मुकाबले में बनी रही और स्कोर 9-9 तक बराबर रहा। लेकिन इसके बाद हांगकांग की जोड़ी ने लगातार आठ अंक हासिल करते हुए बढ़त बना ली, जिसे ध्रुव और तनिशा पाट नहीं पाए। अंततः उन्हें सीधी गेमों में हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2025 में भारत का सफर समाप्त हो गया।

लैनिंग की सहायक कोच, मेंटर के रूप में हुई राष्ट्रीय टीम में वापसी

एजेंसी

ब्रिसबेन। सात बार की विश्व कप विजेता पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मेग लैनिंग की आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्वकप 2027 की तैयारियों को लेकर 26 सदस्यीय टीम के लिए सहायक कोच और मेंटर के रूप में राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई हैं। लैनिंग बनाम पेरी श्रृंखला में लैनिंग अपने नाम वाली टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगी, हालांकि वह ब्रिस्बेन के राष्ट्रीय क्रिकेट परिसर के शिविर में शामिल सभी खिलाड़ियों के साथ काम करेंगी। यह समूह अप्रैल के अंत में तीन टी-20 मैचों के लिए एकत्रित होगा, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया 2027 टूर्नामेंट की तैयारी शुरू कर रहा है और इस दौरान खिलाड़ी अपने खेल में सुधार करने के लिए ध्यान केंद्रित करने के लिएअलग-अलग सत्रों में भाग लेंगे। इस सीरीज के लिए चयन को वाईएसपी द्वारा राज्य और क्षेत्रीय संघों के सहयोग से नामांकन प्रक्रिया के माध्यम से अंतिम रूप दिया गया है। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय विकास प्रमुख सोन्या थॉम्पसन का मानना है कि लैनिंग का जुड़ना अगली पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के लिए सीखने और अपने भविष्य को बदलने वाला अवसर है। थॉम्पसन ने कहा, यह हमारे सर्वश्रेष्ठ उभरते क्रिकेटरों के लिए ऑस्ट्रेलिया के सबसे प्रतिष्ठित क्रिकेटरों में से एक से क्रिकेट के गुर सीखने का अविश्वसनीय अवसर है।

लगातार पाँचवीं हार के बाद भी सीएसके ने नहीं छोड़ी प्लेऑफ की उम्मीद, हसी बोले - अब भी कर सकते हैं वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन अब तक बेहद निराशाजनक रहा है। शुक्रवार (11 अप्रैल) को कोलकाता नाइट राइडर्स से करारी हार झेलने के बाद टीम लगातार पाँचवाँ मैच हार गई और अंकतालिका में नौवें स्थान पर खिसक गई है। इसके बावजूद टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी का मानना है कि सीएसके अब भी प्लेऑफ में जगह बना सकती है। कोलकाता से हार के बाद माइकल हसी ने कहा, हम अभी हार मानने को तैयार नहीं हैं। टूर्नामेंट लंबा है और इसमें बस चौथे स्थान पर पहुंचना जरूरी होता है। हां, इस वक्त हमारे पास कोई मोमेंटम नहीं है और हम अच्छा क्रिकेट नहीं खेल पा रहे हैं, ये हम मानते हैं। लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि चीजें बदल नहीं सकतीं।उन्होंने आगे कहा, अगर हम एक-दो जीत दर्ज कर पाएं तो टीम

का आत्मविश्वास लौटेगा और तब कुछ भी हो सकता है। हमें भरोसा है कि हम टेबल में अंतिम चार में जगह बना सकते हैं। सीएसके की लगातार हार के बाद टीम में बदलाव की मांग उठ रही है, लेकिन हसी इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा, यह समय है एकजुट रहने का, न कि सबकुछ बदलने का। हमारे खिलाड़ी जिस अंदाज में खेलने के आदी हैं, हम उन्हें अचानक एकदम अलग तरीके से खेलने के लिए नहीं कह सकते। सीएसके हमेशा स्थिरता में विश्वास रखती है, और हमें उसी पर कायम रहना है। टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका न दिए जाने पर उठ रहे सवालों के बीच हसी ने कहा कि अनुभव का अपना महत्व है। उन्होंने कहा, शेन वॉटसन और अजिंक्य रहाणे जैसे खिलाड़ियों ने अपने करियर के अंतिम दौर में सीएसके के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। मुझे अब भी लगता है कि हमारे अनुभवी खिलाड़ी टीम के लिए काफी कुछ दे सकते हैं। माइकल हसी ने कहा कि मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग, कप्तान एमएस धोनी और चोट के बावजूद टीम के साथ बने रहने वाले रुतुराज गायकवाड़ मिलकर टीम को एकजुट रखेंगे। उन्होंने सीएसके फैन्स से भी समर्थन बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा, हमारे पास अब भी टैलेंट है और हम इस स्थिति से निकल सकते हैं। लेकिन इसके लिए मेहनत करनी होगी।

गत चैंपियन दिल्ली ने दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव को 14-0 से रौंदा

नारायणपुर (छत्तीसगढ़)। गत चैंपियन दिल्ली ने स्वामी विवेकानंद अंडर-20 पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 के ग्रुप एफ के अपने पहले मुकाबले में दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव को 14-0 से रौंदा। आज यहां रामकृष्ण मिशन आश्रम ग्राउंड में खेले गये मुकाबले में दिल्ली के लिए दस अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। मोइरंगथेम सिंह ने दूसरे मिनट में ही गोल करके आक्रमण शुरुआत की, उसके बाद पांचवें मिनट में लैशराम मैतेई ने गोल दागा। मैतेई और आदित्य अधिकारी खेल के सितारे रहे। मैतेई ने 11वें मिनट और 58वें मिनट में दो और गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की, जबकि आदित्य ने पहले हाफ में ही 22वें, 45वें और इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की।

बिली जीन किंग कपः वैदेही और श्रीवल्ली की बदौलत भारत प्लेऑफ के करीब

एजेंसी

पुणे। युवा खिलाड़ियों-श्रीवल्ली भामिदीपती और वैदेही चौधरी- के शानदार खेल की बदौलत टीम इंडिया ने बिली जीन किंग कप एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 में चीनी ताइपे को 2-1 से हराकर प्लेऑफ में जगह बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। मेजबान टीम लगातार तीसरी जीत के साथ इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। यह टूर्नामेंट पुणे के महालुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में एमएसएलटीए द्वारा आईटीएफ, एआईटीए और पीएमडीटीए के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। वैदेही चौधरी के लिए यह एक और सफल परफॉरमेंस था। इस बार उन्होंने फेंग एन लिन के खिलाफ़ दो मैचों में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। एकल में 351वीं रैंक वाली भारतीय स्टार ने पहले सेट में दबदबा बनाया, लेकिन उनकी प्रतिद्वंद्वी ने निर्णायक सेट के लिए मजबूर कर दिया। हालांकि, वैदेही ने शानदार तरीके से जवाब दिया और अंततः 2 घंटे और 9 मिनट में 6-2, 5-7, 6-4 से

जीत दर्ज की। उनकी इस जीत से भारत को इस अहम मुकाबले में 1-0 की बढ़त मिली। दूसरे मैच में, श्रीवल्ली भामिदीपती ने एक और जीत के साथ टूर्नामेंट में अपना बेहतरीन रिकॉर्ड बनाए रखा। उन्होंने 207वीं रैंक वाली जोआना गारलैंड के खिलाफ़ कड़े मुकाबले में लगातार चौथी जीत दर्ज की। भारत की सबसे होनहार स्टार में से एक 304वीं रैंक वाली श्रीवल्ली ने पहले सेट में दबदबा बनाया और अंततः 2 घंटे और 38 मिनट में 6-2, 7-6 (7-3) के स्कोर के साथ मैच को समाप्त कर दिया। दिन के अंतिम मैच में, चीनी ताइपे की युगल जोड़ी यी त्सेन चो और फेंग-हसीन वू ने अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे की भारतीय जोड़ी को हराया।

भारत ने वर्ष के पहले शूटिंग विश्व कप में ओवरऑल दूसरा स्थान हासिल किया

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में आयोजित वर्ष के पहले अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चरण में भारतीय निशानेबाज़ों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया। हालांकि, अंतिम स्पर्धा में लक्ष्य श्योराण और नीरू की युवा ट्रैप मिक्स्ड टीम जोड़ी एक अंक से पदक, यहां तक कि संभावित स्वर्ण, जीतने से चूक गई। गुरुवार को सुरुचि और सौरभ चौधरी की मिश्रित टीम एयर पिस्टल जोड़ी ने कांस्य पदक जीतकर भारत की पदक संख्या को चार स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य तक पहुंचाया था जिससे भारत कुल पदक तालिका में चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा। चीन ने अंतिम दिन मिश्रित टीम एयर पिस्टल में 1-2 स्थान हासिल कर पांच स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य पदकों के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया। दिन का अन्य स्वर्ण पदक चीनी ताइपे ने मिश्रित टीम ट्रैप स्पर्धा में जीता। भारत के प्रदर्शन की सबसे बड़ी झलक थी- सिफत कौर समरा (50 मीटर राइफल 3 पोजिशन महिलाएं), रुद्रांक्ष पाटिल (10 मीटर एयर राइफल पुरुष), सुरुचि (10 मीटर एयर पिस्टल महिलाएं) और विजयवीर सिद्धू (25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल पुरुष) द्वारा जीते गए स्वर्ण पदक। विजयवीर इस स्पर्धा में आईएसएसएफ विश्व कप स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बने। किशोरी सुरुचि की शीर्ष खिलाड़ियों को हराकर मिली जीत भी टूर्नामेंट का एक आकर्षक क्षण रही।ये चारों औसतन सिर्फ 21 वर्ष के हैं और

इनमें से दो– सिफत और विजयवीर– पहले ही ओलंपियन रह चुके हैं। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में युवा पैरिस ओलंपियन ईशा सिंह (आयु 20 वर्ष) की रजत पदक जीत भी उल्लेखनीय रही। वह मिश्रित टीम की मौजूदा विश्व चैंपियन भी हैं और अपने पहले ओलंपिक में पदक न जीत पाने के बाद भी उनके इरादों में कोई कमी नहीं दिखी।

कुछ दिल को छू लेने वाले प्रदर्शन भी देखने को मिले जैसे कि अनुभवी निशानेबाज़ चैन सिंह, जो एक दशक पहले एशियाई खेलों में पुरुषों की 3पी स्पर्धा में पदक जीत चुके हैं, उन्होंने अपना पहला व्यक्तिगत आईएसएसएफ विश्व कप पदक जीता। वहीं पूर्व एशियाई खेलों और युवा ओलंपिक चैंपियन सौरभ चौधरी दो साल बाद एक बार फिर विश्व कप पदक तालिका में लौटे। सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी ज़ोरावर सिंह संधू, जो 1998 से आईएसएसएफ विश्व कप में हिस्सा ले रहे हैं, ने भी पुरुष ट्रैप स्पर्धा में सातवें स्थान पर रहते हुए बेहतरीन जज़्बा दिखाया। वह अंतिम क्वालिफिकेशन स्थान के लिए पाँच खिलाड़ियों के बीच शूट-ऑफ में दूसरे स्थान पर रहे। अब यह भारतीय दल पेरू के लीमा की ओर रवाना होगा, जहाँ दक्षिण अमेरिका चरण का दूसरा और संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप का अगला चरण 15 अप्रैल 2025 से शुरू होगा।

41 की उम्र में दोबारा प्रेग्नेंट हुईं

गौहर खान

बेबी बंप किया फ्लॉन्ट, पति जैद के साथ सुनाई खुशखबरी

एक्ट्रेस गौहर खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. गौहर अपनी जिंदगी की छोटी-बड़ी खुशियों को अपने फैन्स के साथ शेयर करती रहती हैं. एक्ट्रेस के पति जैद दरबार भी सोशल मीडिया से जुड़े रहते हैं. इसी बीच इस कपल ने अपनी जिंदगी की बड़ी खुशी सभी के साथ शेयर की है. गौहर और जैद दरबार अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करने जा रहे हैं. सही समझे आप, गौहर 41 साल की उम्र में एक बार फिर से प्रेग्नेंट हैं.

उन्होंने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की खबर सोशल मीडिया पर वीडियो के साथ शेयर की है.गौहर और जैद ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें दोनों इंग्लिश सॉन्ग पर रील बनाते हुए नजर आ रहे हैं. ये वीडियो काफी प्यारा है. इस रील के अंत में गौहर अपना बेबी फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं. दोनों के चेहेर पर बड़ी सी मुस्कुराहट और खुशी साफ-साफ देखी जा सकती है. दोनों थिरक रहे हैं, डांस कर रहे हैं और अपने जीवन में आने वाली खुशी को सेलिब्रेट कर रहे हैं. फैन्स भी उनके इस वीडियो पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं.

दूसरी बार मां बनने जा रही हैं गौहर

गौहर खान ने वीडियो को शेयर करते हुए इसके कैप्शन में लिखा, 'बिस्मिल्लाह!! आपकी प्रार्थनाओं और प्यार की जरूरत है. प्यार फैलाकर दुनिया को इशारो पर नचाओ. गाजा बेबी 2.' गौहर और जैद के इस पोस्ट बधाईयां देने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. टीवी सितारों से लेकर बड़ी-बड़ी हस्तियों ने उन्हें बधाई दी है. एक फैन ने उनके लिए लिखा, आप को किसी की नजर न लगे. दूसरे यूजर ने लिखा, आप कपल गोल हैं.

बता दें, साल 2020 दिसंबर में इस कपल ने एक-दूसरे को अपना हमसफर चुना था. दोनों एक-दूसरे के साथ अक्सर तस्वीर शेयर करते रहते हैं. दोनों का एक बेटा भी है. गौहर अपने काम के साथ-साथ मां होने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभाती है. उनके पहले बच्चे का नाम ज़ेहान है.

सलमान खान को लेने के बाद करण जौहर ने क्यों बंद कर दी 'द बुल'? अब सच का लगा पता, हैरान रह जाएंगे आप

2023 की शुरुआत में एक खबर सामने आई थी, जिसमें बताया गया था कि करण जौहर आर्मी पर आधारित एक फिल्म बनाने जा रहे हैं जिसका नाम 'द बुल' होगा. इस फिल्म में करण सलमान खान को बतौर लीड एक्टर लेने वाले थे और फैंस इस खबर से काफी एक्साइटेड हो गए थे. लेकिन फिर दिसंबर 2023 में ही एक दूसरी खबर आई, जिसमें बताया गया कि ये फिल्म बंद हो गई.करण जौहर ने सलमान खान के साथ बनने वाली इस फिल्म को क्यों बंद दिया? इसके पीछे का कारण हर कोई जानना चाहता था. लेकिन अब लगभग दो सालों के बाद ये वजह सामने आई है कि आखिर 'द बुल' क्यों बंद हुई थी?

सामने आई 'द बुल' बंद होने की असली वजह

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म द बुल की कहानी जब करण जौहर ने सलमान खान को सुनाई थी तो उन्हें पसंद आई थी. फिल्म में सलमान खान को एक आर्मी ऑफिसर का रोल प्ले करना था, जिसमें भारत-मालदीव के संघर्ष की असली कहानी भी दिखाई जानी थी. करण जौहर ने फिल्म की कहानी विष्णुवर्धन को लिखने को दी और वो ही इसे डायरेक्ट भी करने वाले थे. फिल्म की कहानी के हिसाब से सलमान के अलावा कोई दूसरा एक्टर भी लिया जाना था जो फाइनल नहीं हो पा रहा था.करण जौहर और विष्णुवर्धन चाहते थे इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा को लिया जाए, लेकिन सलमान चाहते थे कि उनके बॉडीगार्ड शेरा के बेटे टाइगर को लॉन्च किया जाए. सलमान ने विष्णु और करण को काफी समझाया, लेकिन बात नहीं बन पाई. फिल्म का बजट 250 करोड़ से ज्यादा था और साथ में फिल्म की कास्ट को लेकर भी आपसी तालमेल नहीं बैठ रहा था, इसलिए करण ने फिल्म को बंद करना ही सही समझा.

सलमान खान की फिल्में

सलमान खान की पिछली रिलीज फिल्म सिकंदर थी जो 30 मार्च को रिलीज हुई थी. Sacnilk के मुताबिक, फिल्म सिकंदर ने पहले दिन 26 करोड़ का कलेक्शन किया था और पहले हफ्ते में 90.25 करोड़ की कमाई हुई. फिल्म ने 11 दिनों में टोटल 107.01 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है और अभी इसकी कमाई बढ़ने के चांस हैं. फिल्म सिकंदर का निर्देशन एआर मुरुगादॉस ने किया है जिन्होंने फिल्म गजनी (2008) बनाई थी. फिल्म सिकंदर में सलमान खान लीड रोल में दिखे, वहीं इनके अलावा फिल्म में रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, शरमन जोशी और सत्यराज जैसे कलाकार नजर आए थे.

चारों खाने चित्त! पहले JAAT सनी देओल से मात खाई, 24 साल बाद शाहरुख खान ने फिर की भिड़ने की गुस्ताखी

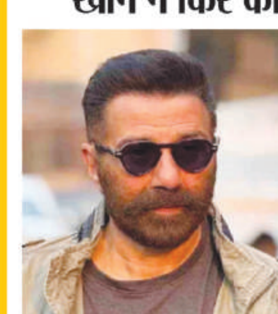

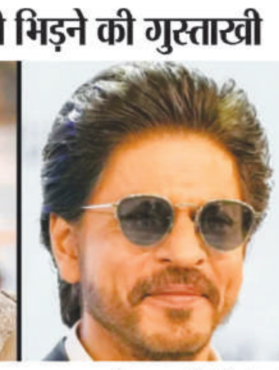

दो भाई दोनों तबाहीज्ये बात साल 2023 के बाद से 'देओल' खानदान के दो सुपरस्टार सनी और बॉबी के लिए कही जा रही है. गिरकर कैसे उठा जाता है ये कोई सनी देओल और बॉबी देओल से सीखे. कपूर्स और खान्स की हिंदी सिनेमा में मजबूत पकड़ के बीच एक बार फिर से देओल के नाम का भी परचम लहराता हुआ नजर आ रहा है. सनी पाजी इस वक्त बॉक्स ऑफिस पर छ्ज्ञ के जरिए अपने ढाई किलो के हाथ का दम दिखा रहे हैं. लेकिन 24 साल पहले शाहरुख खान ने सनी देओल की फिल्म के साथ भिड़ने की गुस्ताखी की थी, जिसका नतीजा कुछ ऐसा रहा कि किंग खान की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सनी को टक्कर नहीं दे पाई.

सनी देओल का 80-90 के दशक में दौर हुआ करता था. अपनी देशभक्ति और एक्शन फिल्मों के जरिए वो दर्शकों के दिलों के राजा बने बैठे थे. सनी ने एक के बाद एक कई ऐसी फिल्में रिलीज की थीं, जिसमें वो पाकिस्तान के परखूचे उड़ाते हुए नजर आते हैं. साल 1993 में सनी देओल ने शाहरुख खान के साथ फिल्म 'डर' में काम किया था. 'डर' के हीरो सनी थे और विलेन शाहरुख बने थे. पहले तो विलेन बने शाहरुख हीरो पर भारी पड़ते नजर आए, लेकिन अंत में सनी ने उन्हें तगड़ा सबक सिखाया. 'डर' ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी.

24 साल पहले सनी देओल का दबदबा

'डर' के बाद सनी देओल और शाहरुख खान के बीच अनबन हो गई थीं. दोनों ने आज तक दोबारा किसी फिल्म में साथ काम नहीं किया. लेकिन इस फिल्म के बाद साल 2001 में बॉक्स ऑफिस पर दोनों सुपरस्टार्स की फिल्मों का आमना-सामना हुआ. उस दौर में सनी देओल की फिल्मों को चलाने के लिए उनका नाम ही काफी था और अगर उनकी फिल्में देशभक्ति पर बेस्ड हों फिर तो उन्हें कोई रोक सकता. 26 अक्टूबर 2001 को देओल परिवार के बड़े बेटे की फिल्म 'इंडियन' ने बॉक्स ऑफिस पर दस्तक थी. डीसीपी राजशेखर बनकर जब सनी बड़े पर्दे पर आए, तो उनकी देशभक्ति ने फिर से लोगों का दिल जीत लिया.

सनी देओल से टकराए शाहरुख खान

कम ही लोग जानते हैं कि 26 अक्टूबर 2001 को सिर्फ सनी देओल की 'इंडियन' ही नहीं रिलीज हुई थी, बल्कि इस दिन शाहरुख खान की फिल्म 'अशोका' भी बॉक्स ऑफिस की जंग में उतरी थी. शाहरुख और सनी की टक्कर काफी मजेदार थी. एक तो दोनों के बीच की अनबन की खबरों का बज था, वहीं दोनों की फिल्मों में से कौन किसी पर भारी पड़ेगी, ये जानने के लिए भी हर कोई बेकरार था.

दो-दो तलाक के बाद नहीं मिला रहा था काम,

चाहत खन्ना

का छलका दर्द, कहा- 'जिंदगी बहुत मुश्किल हो गई'

टीवी एक्ट्रेस चाहत खन्ना अब कम ही छोटे पर्दे पर नजर आती हैं. हालांकि सोशल मीडिया पर वो काफी एक्टिव रहती हैं. चाहत अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी सुर्खियों में रह चुकी हैं. उनकी पहली शादी ज्यादा लंबी नहीं चली थी. महज 4 महीने के अंदर ही उन्होंने तलाक ले लिया था. फिर उन्होंने अपनी जिंदगी की नई शुरुआत की और दोबारा शादी की. लेकिन उनके इस रिश्ते का अंत भी तलाक ही निकला. दो-दो तलाक के बाद लोग अब उनके बारे में क्या सोचते हैं इस पर उन्होंने खुलकर बात की. एक्ट्रेस ने बताया कि कोई उनके साथ काम तक नहीं करना चाहता है.हाल ही में हाउटरफ्लाई के साथ एक इंटरव्यू में चाहत ने अपने दर्दनाक तलाक के बारे में बात की और याद किया कि इस वजह से लोग उनके साथ काम करने से मना कर देते थे. चाहत ने कहा कि तलाक और सेपरेशन कभी भी आसान नहीं होते, खासकर तब जब बच्चे हों. उन्होंने आगे कहा, मेरा दूसरा डिवोर्स बहुत मुश्किल था. मेरी एक बेटी फरहान के साथ रहती है और एक मेरे साथ रहती है और हम अच्छे रिलेशन रखते हैं. हम बच्चों के लिए एक-दूसरे से बात करते हैं क्योंकि वे हमारी ज़िम्मेदारी हैं.

दो-दो तलाक के बाद चाहत की बदल गई जिंदगी

चाहत ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर आगे कहा, किसी भी तरह का तलाक दर्दनाक होता है. ये बिल्कुल भी आसान नहीं है. साथ ही, अगर आप एक जाने-माने व्यक्ति हैं, तो दूसरों का सामना करना मुश्किल हो जाता है. कई बार ऐसा हुआ जब मैं लोगों के सामने जाना नहीं चाहती थी क्योंकि मुझे पता था कि वे मुझे जज करेंगे. मैंने अपने दोनों एक्स पतियों से कोई एलिमनी नहीं ली है. लेकिन फिर भी लोग मुझे गोल्ड डिगर कहते हैं. मैं सोचती थी, गोल्ड कहां है? लोग मुझे मैसेज करते हैं और मुझे डी.एम. करते हैं, कहते हैं कि मैं एलिमनी पर जी रही हूं. ये भी एक टैबू की तरह है.

लोगों ने काम करने से किया मना -चाहत

उन्होंने इंडस्ट्री में तलाक को लेकर बन चुकी सोच को लेकर कहा, बहुत से लोग मेरे साथ काम नहीं करना चाहते थे. आपका नाम बैड लाइट में है तो बहुत से लोग आपके साथ जुड़ना नहीं चाहते. आपके पर्सनल अफेयर्स इतने मीडिया में हैं तो लोगों को आपके साथ काम नहीं करना है. ए-लिस्ट प्रोडक्शन हाउस आपके साथ काम नहीं करेंगे.

नेशनल हेराल्ड केस ईडी जब्त करेगी संपत्तियां

मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच के दौरान कुर्क संपत्तियों को जब्त करेगी

नई दिल्ली
प्रवर्तन निदेशालय कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच के दौरान कुर्क संपत्तियों को जब्त करेगी। ईडी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उसने 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किया है। ईडी ने एक्ट की धारा 8 और एसोसिएटेड नियमों के नियम 5(1) के अनुसार संबंधित संपत्ति रजिस्ट्रार को दस्तावेज सौंपे हैं, जहां ये संपत्तियां हैं। ईडी ने कब्जे में लिए जाने वाले परिसर को खाली करने की मांग की है। 661 करोड़ की इन अचल संपत्तियों के अलावा एजेएल के 90.2 करोड़ रुपए के शेयरों को ईडी ने नवंबर 2023 में अपराध की आय को सुरक्षित करने और आरोपी को इसे नष्ट करने से रोकने के लिए कुर्क किया था। शुक्रवार को दिल्ली के हेराल्ड हाउस मुंबई के बांद्रा (ईस्ट) और लखनऊ के बिशेश्वर नाथ रोड स्थित एजेएल की बिल्डिंग पर नोटिस चिपकाए गए हैं।

मुंबई में बनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की प्रॉपर्टी
ईडी ने मुंबई के बांद्रा में हेराल्ड हाउस की 7वीं, 8वीं और 9वीं मंजिल पर स्थित जिंदल साउथ वेस्ट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को भी नोटिस दिया गया है, कि वह हर

महीने किराया/लीज राशि प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक के पक्ष में ट्रांसफर करे।

सोनिया-राहुल से घंटों हुई थी पूछताछ
जून 2022 में नेशनल हेराल्ड केस में राहुल गांधी से 5 दिनों में 50 घंटे पूछताछ हुई थी। फिर 21 जुलाई 2022 में नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी से 3 दिन में 12 घंटे सवाल हुए थे।
बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में एक याचिका दाखिल करते हुए सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस के ही मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडीज, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे पर घाटे में चल रहे नेशनल हेराल्ड अखबार को धोखाधड़ी और पैसों की हेराफेरी के जरिए हड़पने का आरोप लगाया था। आरोप के मुताबिक, कांग्रेसी नेताओं ने नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर कब्जे के लिए यंग इंडियन लिमिटेड ऑगेर्नाइजेशन बनाया और उसके जरिए नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन करने वाली एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड का अवैध अधिग्रहण कर लिया। स्वामी का आरोप था कि ऐसा दिल्ली के बहादुर शाह जफर मार्ग स्थित हेराल्ड हाउस की 2000 करोड़ रुपए की बिल्डिंग पर कब्जा करने के लिए किया गया था। स्वामी ने 2000 करोड़ रुपए की कंपनी को केवल 50 लाख रुपए में खरीदे जाने को लेकर सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत केस से जुड़े कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की मांग की थी। जून 2014 ने कोर्ट ने सोनिया, राहुल समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ समन जारी किया। अगस्त 2014 में एऊ ने इस मामले में एक्शन लेते हुए मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया। दिसंबर 2015 में दिल्ली के पटियाला कोर्ट ने सोनिया, राहुल समेत सभी आरोपियों को जमानत दे दी।

मप्र और उप्र समेत देश के कई राज्यों में आज आंधी-तूफान और बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली
पिछले दो दिनों से देश के विभिन्न हिस्सों में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित देश के कई राज्यों में शनिवार को भी आंधी-तूफान और बारिश का अलर्ट जारी किया है। 15 अप्रैल से उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों और गुजरात में गर्म हवा का एक नया दौर शुरू होने की संभावना व्यक्त की है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा आज अपराह्न जारी मौसम के पूर्वानुमान बुलेटिन के अनुसार शनिवार को उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में आंधी, बिजली और तेज हवा (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) के साथ छिटपुट से लेकर काफी व्यापक हल्की अथवा मध्यम वर्षा और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में अलग-अलग जगहों पर हल्की वर्षा हो सकती है। अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर और आसपास के पूर्वी भारत में आंधी, बिजली और तेज हवा (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) के साथ छिटपुट से लेकर काफी व्यापक हल्की/मध्यम वर्षा की संभावना है। 12 से 14 अप्रैल के दौरान मध्य भारत और महाराष्ट्र के मैदानी इलाकों में आंधी, बिजली और तेज हवा (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) के साथ छिटपुट वर्षा की संभावना है। 12 अप्रैल को तमिलनाडु, केरल, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, 12 -14 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में तथा 14 और 15 अप्रैल को ओडिशा में भारी वर्षा की संभावना है। 12 अप्रैल को उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में और 15 अप्रैल को झारखंड में कहीं-कहीं ओलावृष्टि की संभावना है। 12 अप्रैल को उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। 12 अप्रैल को मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बौछारें (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा) पड़ने की संभावना है। अगले 5 दिनों के दौरान केरल और माहे में गरज, बिजली और तेज हवा (30-40 किमी प्रति घंटे की गति) के साथ छिटपुट से लेकर काफी व्यापक हल्की अथवा मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

राहुल गांधी ने फैशन एवं टेक्सटाइल कारीगरों से की मुलाकात

नई दिल्ली
कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को फैशन और टेक्सटाइल क्षेत्र के कारीगरों के साथ अपनी मुलाकात का एक वीडियो साझा किया। सोशल मीडिया एक्स पर साझा की गई इस पोस्ट में उन्होंने एक युवा उद्यमी विक्की के साथ अपनी बातचीत के बारे में लिखा। विक्की एक युवा उद्यमी हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प के बलबूते अपना खुद का कपड़ा व्यवसाय स्थापित किया है। उन्होंने पहली नेहरू जैकेट कैसे बनी, इसकी कहानी भी साझा की है। राहुल गांधी ने इस पोस्ट में बताया कि कैसे विक्की के कारखाने के कारीगर दिन में 12 घंटे मेहनत करते हैं, सुई और धागे से जादू बुनते हैं। इसके बावजूद उद्योग इस तरह के कौशल को कम आंकता है। राहुल गांधी ने लिखा, "मैं आज तक टेक्सटाइल डिजाइन के उद्योग में शीर्ष पर किसी ओबीसी से नहीं मिला।

बाकी उद्योगों की तरह ही टेक्सटाइल और फैशन सेक्टर में भी बहुजनों के पास न तो प्रतिनिधित्व है, न इसकी शिक्षा तक पहुंच, और न ही नेटवर्क में जगह। नेहरू

जैकेट के पीछे की कहानी के बारे में बात करते हुए राहुल गांधी ने कारीगरों से कहा कि क्या आप जानते हैं कि नेहरू जैकेट कैसे बनाई गई थी? मेरे परदादा के दर्जी ने कुछ ऐसा ही बनाया था, दर्जी ने कुर्ते का कॉलर लिया और उसे कोट से जोड़ दिया। कांग्रेस नेता ने देश के प्रतिभाशाली युवाओं के संघर्ष की तुलना महाभारत के अभिमन्यु से की, जो अन्याय के चक्रव्यूह में फंस गया था। राहुल ने कहा, "विक्की जैसे होनहार लोगों से मिलकर मैं उनका काम सीखने की कोशिश करता हूं, ताकि दुनिया को भारतीय युवाओं का असली हुनर दिखे- ये पता चले कि काबिल और मेहनती होते हुए भी ये युवा उपेक्षा और अन्याय के चक्रव्यूह में फंसे अभिमन्यु हैं। मेरी लड़ाई इसी चक्रव्यूह को तोड़ने की है ताकि हर हुनरमंद को सिस्टम में घुसने का रास्ता मिल सके।" उल्लेखनीय है कि पिछले महीने राहुल गांधी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर कुलियों से मुलाकात कर उनकी आर्थिक कठिनाइयों को समझा और उसके बारे में एक्स पर जिक्र किया था। इसी तरह नगालैंड के छात्रों के एक समूह के साथ मुलाकात की थी और उसके बाद उनके साथ की गई बातचीत को भी साझा किया था।

दिल्ली के कुतुब विहार में राहाब सेंटर फॉर हॉप संस्था व आईपीएससी हॉस्पिटल द्वारा फ्री हेल्थ कैंप का आयोजन किया

दिव्या दिल्ली : राजधानी दिल्ली में बदलते मौसम के बाद कई बीमारियो ने दस्तक दे दिया है जिसको लेकर राहाब सेंटर फॉर हॉप संस्था बेहद जागरुक है। ऐसे में संस्था ने दिल्ली के कुतब विहार में निःशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों को मुफ्त चिकित्सीय सलाह दी गई। वहीं इस कैंप की सूचना पहले मिलने के कारण आसपास के क्षेत्रों से कई लोग निर्धारित समय से पहले ही शिविर पर पहुंचने लगे थे। इस हेल्थ चेकअप कैंप में गोयला डेरी के कुतुब विहार और आस-पास के लगभग 100 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया।आईपीएससी हॉस्पिटल के डॉक्टर मेजर हर्षिता सारंगी फाउंडर द्वारा लोगों का ब्लड प्रेशर, शुगर, डॉक्टर्स स्त्री रोग विशेषज्ञ, आथोर्पेडिक और जनरल फिजिशियन टेस्ट बीपी, अस्पताल में मुफ्त एक्सरे और अल्ट्रा साउंड में 50%की छूट और 82 रोगियों को 5 दिन मुफ्त दवाएं दी जाएगी। राहाब सेंटर फॉर हॉप संस्था के डायरेक्टर यूनिस स्टीफन ने कहा कि कुतुब विहार फेज-1 निवासियों को निःशुल्क स्वस्थ सेवा उपलब्ध कराना था, जिन से वो वंचित हैं और पैसों के अभाव के कारण ईलाज नहीं कर पा रहे, इसके अलावा आस-पास की महिलाओं ने भी इस कैंप का लाभ उठाया। राहाब सेंटर फॉर हॉप संस्था की डायरेक्टर यूनिस स्टीफन ने आईपीएससी हॉस्पिटल के फाउंडर डॉ मेजर हर्षिता का आभार प्रकट किया और उनकी समस्त टीम का धन्यवाद किया

सदर बाजार में हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष पर जगह-जगह लगे भंडारे

दिव्या दिल्ली : हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन की ओर से सदर बाजार कुतुब रोड पर लड्डुओं का प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर फेडरेशन के चेयरमैन श्री परमजीत सिंह पम्मा, अध्यक्ष श्री राकेश यादव, महासचिव कमल कुमार, कोषाध्यक्ष श्री दीपक मित्तल बरी मार्केट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष वरिंदर आर्य, अमित पवा, कुलदीप सिंह, गोपाल ग्रोवर सहित अनेक व्यापारी उपस्थित थे। इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा

व यादव ने बताया आज पूरे सदर बाजार में जगह-जगह हनुमान जन्म उत्सव के उपलक्ष पर भंडारों का आयोजन किया गया और शोभा यात्रा निकाली गई।

सीएम माझी के नेतृत्व में बदल रही है ओडिशा की तस्वीर, कई योजनाओं के बदले नाम

भुवनेश्वर
मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के नेतृत्व में ओडिशा की छवि बदल रही है। पर्यटकों को सबसे ज्यादा जो चीज प्रभावित कर रही है, वह है इमारतों का रंग बदलना, जो कि ज्यादातर ओडिशा सरकार की हैं। पहले यह इमारतें हल्के हरे रंग की थीं, जो अब हल्के नारंगी रंग में बदल गई हैं। कर्मचारी कई इमारतों के बाहरी हिस्सों को हल्के नारंगी रंग में रंगने में व्यस्त हैं। भुवनेश्वर शहर की सड़कों से लेकर बसों का रंग बदला जा रहा है। राज्य के सार्वजनिक परिवहन बेड़े का हिस्सा हरे रंग की मो बसें (माई बस) को चमकीले नारंगी और सफेद या पूरी तरह से नारंगी रंग की अमा बसों (हमारी बस) से बदला जा रहा है। यह बदलाव केवल राजधानी भुवनेश्वर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि शहरों और गांवों में भी इसी तरह के बदलाव हो रहे हैं। मोहन चरण माझी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पहली बार राज्य में अपने दम पर सत्ता पर काबिज हुई है। माझी सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के 24 साल के शासन को खत्म कर दिया है और सरकार पिछले प्रशासन की छाया को खत्म करने का प्रयास कर रही है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है कि माझी सरकार ने आबादी के अलग-अलग वर्गों को लक्षित करने वाली करीब दो दर्जन योजनाओं का नाम बदलकर कुछ बदलाव किए हैं। इनमें किसानों को मौद्रिक सहायता प्रदान करने वाली पूर्ववर्ती बीजू जनता दल (बीजेडी) सरकार की योजना कालिया अब सीएम-किसान बन गई है। गरीबों को 6 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज प्रदान करने वाली बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना को अब गोपबंधु जन आरोग्य योजना के नाम से जाना जाता है। बीजेडी सरकार की प्रमुख ग्रामीण कल्याण योजना अमा ओडिशा, नवीन ओडिशा को अब विकसित गांव, विकसित ओडिशा के नाम से जाना जाता है।

रोज वैली पोंजी घोटाला: केंद्र ने 7.5 लाख पीड़ितों की मदद के लिए 515 करोड़ का डिमांड डॉफ्ट सौंपा

नई दिल्ली
केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने परिसंपत्ति निपटान समिति के अध्यक्ष रिटायर्ड जस्टिस डीके सेठ को शनिवार को 515.31 करोड़ रुपये का डिमांड डॉफ्ट सौंपा। समिति का गठन रोज वैली पोंजी घोटाले में वैध निवेशकों को उनकी संपत्ति लौटाने के उद्देश्य से किया गया था। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में यह

जानकारी दी। अनुमान है कि इस राशि का उपयोग एसेट डिस्पोजल कमेटी के पास अब तक दर्ज किए गए 31 लाख दावों में से लगभग 7.5 लाख पीड़ितों को धन वापस दिलाने के लिए किया जाएगा। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एडीसी को 22 करोड़ रुपये की राशि सौंपी थी जिसका उपयोग 32,319 वैध निवेशकों को धन वापस दिलाने के लिए किया गया था। मंत्रालय के मुताबिक ईडी ने वर्ष 2015-17 में मनी ट्रेल की जांच करके और 2,987 अलग-अलग बैंक खातों का पता लगाकर 515.31 करोड़ रुपये की धनराशि जब्त की थी।

गुजरात में जिला अध्यक्षों के चुनाव के लिए कांग्रेस ने पर्यवेक्षक नियुक्त किए

नई दिल्ली
कांग्रेस ने 2027 में होने वाले आगामी चुनावों को लेकर गुजरात में अभी से तैयारी शुरू कर दी है। इस कड़ी में राज्य में 41 जिला अध्यक्षों के चुनाव को हरी झंडी दे दी गई है। इन 41 जिला अध्यक्षों के नाम तय करने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के 50 और प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के 183 नेताओं को जिम्मा सौंपा गया है। यह जानकारी पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आज यहां दी। हाल ही में गुजरात में आयोजित पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन के बाद पारित प्रस्तावों को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

एनआईए की पूछताछ में राणा ने किया दुबई के एक शख्स का जिक्र!

नई दिल्ली
मुंबई हमलों के साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा से एनआईए ने शनिवार को कई घंटों तक पूछताछ की। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए ने आतंकी राणा से मुंबई हमले में शामिल लोगों और हमले से पहले की गई यात्रों को लेकर कई सवाल पूछे हैं। राणा ने पूछताछ में एक दुबई के शख्स के बारे में जिक्र किया है। हालांकि अभी उस खबर के बारे में जानकारी सामने नहीं आई है।
एनआईए की पूछताछ में राणा ने बताया कि दुबई के एक शख्स को मुंबई आतंकी हमले की साजिश की जानकारी थी। डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी ने कथित तौर पर

राणा की दुबई में इस हमले में शामिल एक अन्य साजिशकर्ता से मुलाकात कराई थी। अमेरिकी जांच एजेंसियों की ओर से भारतीय अधिकारियों को दी गई जानकारी के अनुसार, यह व्यक्ति मुंबई हमले के बारे में जानता था। एनआईए सूत्रों के अनुसार, डेविड हेडली ने 2008 में राणा को भारत की यात्रा न करने की चेतावनी दी थी। जो इस बात की ओर इशारा करता है कि हेडली को होने वाले हमले के बारे में पता था। इस शख्स की जानकारी सामने आने के बाद अब एआईए इस बात की जांच रही है कि जिस शख्स से राणा ने मुलाकात की थी क्या वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) से जुड़ा था, क्या वह पाकिस्तानी सेना का कोई वरिष्ठ अधिकारी था या फिर पाकिस्तान से संचालित किसी आतंकवादी गुट का सरगना था।

अन्य भारतीय शहरों को भी दहलाने की साजिश थी?
एनआईए राणा की भारत के कई शहरों में की गई यात्राओं को लेकर भी जांच कर रही है।
एनआईए सूत्रों के अनुसार, मुंबई में इस्तेमाल की गई रणनीति अन्य भारतीय शहरों को दहलाने की व्यापक साजिश का हिस्सा हो सकती है। बता दें कि 2008 में 13 से 21 नवंबर के बीच राणा ने अपनी पत्नी समराज राणा अख्तर के साथ कई शहरों का दौरा किया था। इन शहरों में उत्तर प्रदेश में हापुड़ और आगरा, दिल्ली, कोच्चि, अहमदाबाद और मुंबई शामिल हैं। अधिकारी इसकी जांच कर रहे हैं कि क्या ये यात्राएं इसी तरह के हमलों को अंजाम देने के लिए किसी रेकी मिशन का हिस्सा थीं।

ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल को तुष्टीकरण की प्रयोगशाला के रूप में इस्तेमाल कर रही हैं : भाजपा

नई दिल्ली
पश्चिम बंगाल में हो रही हिंसा को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए ममता बनर्जी पर तुष्टीकरण का आरोप लगाया है। ममता बनर्जी बंगाल को तुष्टीकरण की प्रयोगशाला के रूप में इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने हिन्दुओं पर हो रहे हमले और हिंसा के लिए ममता को जिम्मेदार बताया है। शनिवार को भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने शनिवार को कहा कि बंगाल के अंदर जो हिन्दुओं पर हमले हो रहे है, उस हिंसा को ममता बनर्जी उकसा रही हैं और समर्थन कर रही हैं।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397